धनबाद, शनिवार
27 जून 2026
वर्ष : 03 अंक : 267
पृष्ठ : 08
मूल्य: 3 /-
E-Mail:-truthpath941@gmail.com

हिन्दी दैनिक समाचार

ट्रूथ पथ

ब्रीफ न्यूज

केंद्रीय मंत्री ललन सिंह ने बाबा बैद्यनाथ धाम में किया दर्शन-पूजन

देवघर, (एजेंसी) : बाबा बैद्यनाथ मंदिर में केंद्रीय मंत्री और जदयू के वरिष्ठ नेता राजीव रंजन सिंह(ललन सिंह) ने मत्था टेककर पूजा-अर्चना की। मंदिर प्रांगण में उनके तीर्थ पुरोहित ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान से संकल्प कराकर भगवान शिव की विशेष पूजा संपन्न कराई।वहीं केंद्रीय मंत्री के आगमन को लेकर मंदिर परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। दर्शन-पूजन के बाद ललन सिंह ने भगवान बाबा बैद्यनाथ से बिहार की सुख-समृद्धि, देश की उन्नति और विश्व शांति एवं मानव कल्याण की कामना की। उनके आगमन के दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं और प्रशासनिक अधिकारियों की भी मौजूदगी रही।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद: चंपत राय और अनिल मिश्र के इस्तीफे को विहिप ने बताया अफवाह

लखनऊ, (एजेंसी) : विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) ने राम मंदिर चढ़ावा विवाद प्रकरण में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और सदस्य अनिल मिश्रा के इस्तीफे की खबरों को अफवाह बताया है।

विहिप के प्रवक्ता अंबरीष सिंह ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और सदस्य अनिल मिश्र ने पदों से त्यागपत्र नहीं दिया है, यह केवल एक अफवाह है। विहिप नेता के अनुसार त्यागपत्र दिए जाने के समाचार पूरी तरह से बेबुनियाद हैं।

उल्लेखनीय है कि रामनगरी अयोध्या श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के दान-चढ़ावे में गड़बड़ी की जांच कर रही एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट आने के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण मोहन की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। शुक्रवार को उन्हें जेल भी भेज दिया गया। इस बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और सदस्य अनिल मिश्रा द्वारा अपने-अपने पदों से त्यागपत्र दिए जाने के समाचार सुर्खियों में हैं।

मुंडका में तीन लोगों की मौत

नई दिल्ली(एजेंसी) : बाहरी दिल्ली के मुंडका में शुक्रवार को एक फैक्टरी में हादसा हुआ। तीन लोगों की मौत हो गई। वह सेप्टिक टैंक के अंदर जहरीली गैस की चपेट में आ गए। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना फैक्टरी में हुई। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। दिल्ली फायर सर्विस (डीएफएस) के अनुसार, दोपहर 12:03 बजे एक कॉल आई जिसमें बताया गया कि मुंडका इंडस्ट्रियल एरिया की एक फैक्टरी में कुछ लोग सेप्टिक टैंक के अंदर फंस गए हैं। मरने वालों की पहचान अरुण (38), संदीप (32) और चांद (42) के रूप में हुई है। तीनों सुल्तानपुरी के रहने वाले थे। तीनों सेप्टिक टैंक में उतरे थे और जहरीली गैस की चपेट में आने के बाद बेहोश हो गए।

मिला संदिग्ध विस्फोटक सेना की बीडीडीएस टीम ने किया नष्ट

पश्चिमी सिंहभूम,(एजेंसी) : जिले के मनोहरपुर थाना क्षेत्र के सोनपोखरी गांव स्थित मुंडा टोला निवासी विजय मुंडा के खेत से में मिले संदिग्ध विस्फोटक को शुक्रवार को भारतीय सेना की बम निष्क्रियकरण और निस्तारण (बीडीडीएस) टीम ने सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया। पूरी कार्रवाई पुलिस और प्रशासन की निगरानी में की गई, जिससे क्षेत्र के लोगों ने राहत की सांस ली।जानकारी के अनुसार, गांव में मिला संदिग्ध विस्फोटक लगभग 56 सेंटीमीटर लंबा, 42.5 सेंटीमीटर व्यास का और करीब 20 से 25 किलोग्राम वजनी था। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इसे पहले ही सुरक्षित स्थान पर घेराबंदी कर रखा गया था, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो।पुलिस अधीक्षक पश्चिमी सिंहभूम अमित रेनू के निर्देश पर शुक्रवार को अपर पुलिस अधीक्षक, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मनोहरपुर डेबिट धोरे, मनोहरपुर थाना प्रभारी धनंजय बैठा, अंचलाधिकारी, स्थानीय मुखिया और ग्राम प्रधान की मौजूदगी में भारतीय सेना की बीडीडीएस टीम ने निर्धारित सुरक्षित स्थान पर विस्फोटक का सफलतापूर्वक नष्ट किया।

भारत की एकता, अखंडता और अक्षुण्णता राष्ट्रभक्त लोकतंत्र सेनानियों की देन : मोहन यादव

स्पेशल ट्रेन से लोकतंत्र सेनानियों को तीर्थ दर्शन कराएगी सरकार, मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र सेनानी सम्मेलन में की अनेक घोषणाएं

नई दिल्ली (एजेंसी) : मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों ने देश में लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान की रक्षा के लिए अपना खून-पसीना बहाया, अमानवीय अत्याचार सहे और अनेक लोगों ने अपने प्राणों की आहुति तक दे दी। हम सभी भारतवासी इन लोकतंत्र सेनानियों का ऋण कभी नहीं चुका पाएंगे। आज देश की एकता, विविधता, अखंडता और अक्षुण्णता इन्हीं साहसी, समर्पित एवं राष्ट्रनिष्ठ कर्मवीरों की ही देन है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को लोकतंत्र सेनानी स्मृति दिवस के अवसर पर रवीन्द्र भवन में आयोजित लोकतंत्र सेनानियों के प्रादेशिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राष्ट्र हित से बढ़कर कुछ भी नहीं है। राष्ट्र हित में ही सबका हित निहित है। सशक्त लोकतंत्र ही भारत राष्ट्र की सबसे बड़ी ताकत है, जिसने देश को वैश्विक पटल पर एक विशिष्ट और सम्मानजनक पहचान दिलाई है।

मुख्यमंत्री ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए कठिन से कठिन यातनाएं सहने वाले वीर लोकतंत्र सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए कहा कि उनका त्याग आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अमूल्य स्रोत है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जावरा, जिला रतलाम निवासी 96 वर्षीय लोकतंत्र सेनानी लक्ष्मी नारायण पाटीदार और 95 वर्षीय लोकतंत्र सेनानी शांतिलाल संघवी सहित आपातकाल के दौरान प्रमुख भूमिका में रहे पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता का शील्ड प्रदान कर अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने प्रादेशिक सम्मेलन में आए सभी लोकतंत्र सेनानियों पर पुष्प-वर्षा कर उनका स्वागत-सम्मान किया। सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं वंदे मातरम् गायन के साथ हुआ। सम्मेलन में देश में आपातकाल पर केंद्रित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। इससे

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति जैकब जुमा ने हरिद्वार के दक्षिण काली मंदिर में की पूजा अर्चना

निरंजन पीठाधीश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी ने दिया चुनाव में जीतने का आशीर्वाद

हरिद्वार, (एजेंसी) : दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति जैकब जूमा ने शुक्रवार को धर्मपत्नी एवं परिजनों के साथ तीर्थनगरी हरिद्वार में श्री दक्षिण काली मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने मंदिर के परमाध्यक्ष एवं निरंजन पीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज से आशीर्वाद लिया।

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति जैकब जूमा के मंदिर पहुंचने पर स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज ने उन्हें मां की चुनरी ओढ़ाकर उनका स्वागत किया। महाराज ने जैकब को वर्ष 2029 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले चुनाव में विजयी होने का आशीर्वाद दिया। इस मौके पर स्वामी कैलाशानंद गिरी महाराज ने कहा कि धर्म सत्ता के मार्गदर्शन से ही राजसत्ता को मानव कल्याण और विकास की प्रेरणा मिलती है। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व राष्ट्रपति जैकब जूमा सनातन संस्कृति और संतों का सम्मान करने वाले व्यक्ति हैं। दक्षिण अफ्रीका के विकास और जनता के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में उनका योगदान रहा है।

स्वामी ने कहा कि मां दक्षिण काली की कृपा और आशीर्वाद से आगामी चुनाव में उन्हें शानदार जीत मिलेगी और वह देश का नेतृत्व करते हुए जनकल्याण में मुख्य भूमिका निभाएंगे। स्वामी कैलाशानंद गिरी के शिष्य स्वामी अवंतिकानंद ब्रह्मचारी ने भी जैकब जूमा का स्वागत किया। इस अवसर पर अजय गुप्ता, आचार्य पवनदत्त मिश्र, अनिल गोयल सहित कई लोग मौजूद रहे।

रामगढ़-बोकारो एनएच-23 पर हुए हादसे में बैंड पार्टी के आठ कलाकारों की मौत, मुख्यमंत्री ने जताय शोक

रामगढ़, (एजेंसी) : रामगढ़-बोकारो राष्ट्रीय राजमार्ग-23 पर गुरुवार देर रात हुए सड़क हादसे में बैंड पार्टी के आठ कलाकारों की दर्दनाक मौत हो गई। रजरप्पा थाना क्षेत्र के बारलौंग स्थित बुध बाजार के पास एलपी ट्रक और पिकअप वैन के बीच आमने-सामने हुई टक्कर में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

प्रारंभिक पुलिस जांच में ट्रक चालक की लापरवाही सामने आई है। पुलिस के अनुसार ट्रक गलत दिशा (रॉन्ग साइड) में आ गया था, जिससे यह हादसा हुआ। दुर्घटना में रजरप्पा थाना क्षेत्र के मारंगमर्चा गांव निवासी अनोद कुमार (पिता धनुराम ओहदार), पप्पू करमाली (पिता दिलीप करमाली), पवन करमाली (पिता स्वर्गीय लखी करमाली), अशोक कुमार (पिता गल्लू डोम), शक्ति कुमार (पिता गल्लू डोम), डेविड करमाली (पिता अमित करमाली) तथा हजारीबाग जिले के दाढ़ी प्रखंड के कठहरवा गांव निवासी मनीष कुमार (पिता श्रीकांत महतो) और हेमंत कुमार महतो (पिता सोहन महतो) की मौत हुई है। शुक्रवार को सभी शवों का पोस्टमार्टम रामगढ़ सदर अस्पताल में कराया गया।

पुलिस के मुताबिक, रजरप्पा की ओर से रामगढ़ आ रहा एलपी ट्रक (जेएच-02 एए-4786) और विपरीत दिशा से जा रही पिकअप वैन (जेएच-02 क्यू-8268) बारलौंग के समीप आमने-सामने टकरा गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि पिकअप वैन पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार पांच लोगों ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और पुलिस मौके पर पहुंची तथा राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। गंभीर रूप से घायल लोगों को तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां दो और घायलों की मौत हो गई। एक अन्य घायल को बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर किया गया, लेकिन उसने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।दुर्घटना के बाद सदर अस्पताल का माहौल बेहद मार्मिक हो गया। जैसे ही मृतकों के शव और घायल अस्पताल पहुंचे, परिजनों की चीख-पुकार से पूरा परिसर गूंज उठा। अपनों

उत्तराखंड में 'खेत बचाओ अभियान' शुरू, राज्य में 369.66 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास

उत्तराखंड को बागवानी हब बनाने में केंद्र देगा हरसंभव सहयोग: शिवराज

रुद्रपुर, (एजेंसी) : केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को रुद्रपुर में 'खेत बचाओ अभियान' का शुभारंभ करते हुए कहा कि उत्तराखंड को बागवानी हब के रूप में विकसित करने के लिए केंद्र सरकार हरसंभव सहयोग देगी। उन्होंने कहा कि मुक्तेश्वर में 100 करोड़ रुपये की लागत से क्लीन प्लांट सेंटर स्थापित किया जाएगा। साथ ही चौबटिया में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और न्यूजीलैंड के सहयोग से कीवी उत्पादन को बढ़ावा देने की कार्ययोजना भी शुरू की जाएगी।केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को रुद्रपुर में 'खेत बचाओ अभियान' का शुभारंभ करते हुए उत्तराखंड के लिए कृषि एवं बागवानी क्षेत्र से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की घोषणा की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की मौजूदगी में 369.66 करोड़ रुपये की 41 विकास योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मिट्टी और प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण समय की आवश्यकता है। उन्होंने किसानों से मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरकों के संतुलित उपयोग, प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने तथा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का अधिकाधिक लाभ लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड निकट भविष्य में बागवानी हब के रूप में नई पहचान बनाएगा और केंद्र सरकार इसके लिए हरसंभव सहयोग देगी। उन्होंने घोषणा की कि मुक्तेश्वर में 100 करोड़ रुपये की लागत से सेब, अखरोट और बादाम सहित उच्च गुणवत्ता वाले फलदार पौधों के लिए क्लीन प्लांट सेंटर स्थापित किया जाएगा। चौबटिया (अल्मोड़ा) में 15 करोड़ रुपये की लागत से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाया जाएगा तथा न्यूजीलैंड के सहयोग से कीवी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए 15 करोड़ रुपये की विशेष कार्ययोजना तैयार की जाएगी। इसके अलावा जंगली जानवरों से फसलों की सुरक्षा के लिए घेरबाड़ हेतु 65 करोड़ रुपये और ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन स्थापित करने के लिए 104 करोड़ रुपये उपलब्ध कराए जाएंगे।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि स्वस्थ किसान, स्वस्थ मिट्टी और स्वस्थ कृषि व्यवस्था विकसित उत्तराखंड की मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों को तीन लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त कृषि ऋण, निःशुल्क सिंचाई सुविधा तथा कृषि यंत्रों पर 80 प्रतिशत तक अनुदान उपलब्ध करा रही है। साथ ही बागवानी, कोल्ड चेन और कृषि अवसंरचना को मजबूत करने की दिशा में भी लगातार कार्य किया जा रहा है।कार्यक्रम में कृषि मंत्री गणेश जोशी ने किसानों के हित में घेरबाड़ के लिए 65 करोड़ रुपये, जैविक खेती के लिए 10 करोड़ रुपये की सहायता तथा मंडुवा और झंगोरा के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) घोषित किए जाने का अनुरोध किया।

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।कार्यक्रम में सांसद अजय भट्ट, विधायक शिव अरोरा, त्रिलोक सिंह चीमा, बंशीधर भगत, जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, मेयर विकास शर्मा, दीपक बाली, दर्जा मंत्री अनिल कपूर डब्बू, हुकम सिंह कुंवर,रणजीत सिंह नामधारी,उत्तम दत्ता,जिलाध्यक्ष कमल जिंदल,मनोज पाल,सचिव ॉ. एस.एन.पांडे, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया,वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, मुख्य विकास अधिकारी दिवेश शासनी,अपर जिलाधिकारी कौस्तुभ मिश्रा,पंकज उपाध्याय सहित अनेक जनप्रतिनिधि,अधिकारी,कृषक एवं आमजन उपस्थित रहे।

उपराष्ट्रपति-प्रधानमंत्री ने मुहर्रम पर हजरत इमाम हुसैन को श्रद्धांजली अर्पित की

नई दिल्ली, (एजेंसी) : मुहर्रम पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हजरत इमाम हुसैन (एएस) के कालजयी बलिदान तथा सत्य और न्याय के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता को याद करते हुए आज उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर मुहर्रम के मौके पर हजरत इमाम हुसैन (एएस) की कुबार्नी को याद करते हुए कहा कि मुहर्रम हमें हिम्मत, कुबार्नी, दया और सच्चाई व न्याय के प्रति अटूट निष्ठा जैसे मूल्यों की याद दिलाता है। यह पवित्र अवसर समाज में भाईचारे, शांति और आपसी सम्मान के बंधन को मजबूत करने के लिए प्रेरित करता है।प्रधानमंत्री मोदी ने हजरत इमाम हुसैन (एएस) को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सत्य और न्याय के प्रति उनके शाश्वत बलिदान और अटूट प्रतिबद्धता को याद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इमाम हुसैन का जीवन और शहादत साहस और दृढ़ विश्वास की शक्ति का एक शाश्वत उदाहरण है।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन (एएस) का बलिदान आज भी अनेक लोगों को सत्य और न्याय की राह पर अडिग रहने के लिए प्रेरित करता है। यह साहस और दृढ़ विश्वास की अटूट शक्ति का भी स्मरण कराता है।उल्लेखनीय है कि मुहर्रम इस्लामिक कैलेंडर का पहला महीना होता है और इसके दसवें दिन को आशूरा कहा जाता है। यह दिन 61 हिजरी (680 ईस्वी) में इराक के कर्बला में इमाम हुसैन इब्न अली और उनके साथियों की शहादत की याद दिलाता है। शिया मुस्लिम समुदाय के लिए यह दिन विशेष रूप से शोक का प्रतीक होता है, जबकि सुन्नी मुस्लिम इस दिन रोजा रखते हैं।

रतलाम में मुहर्रम जुलूस के दौरान हाईटेंशन लाइन से टकराया ताजिया, 3 की मौत, 7 गंभीर

रतलाम, (एजेंसी) : मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में पिपलोदा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम हतनारा में गुरुवार रात मुहर्रम जुलूस के दौरान ताजिया हाईटेंशन बिजली लाइन से टकरा गया। इस हादसे में 10 से ज्यादा लोग करंट की चपेट में आकर झुलस गए। इनमें तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि बुरी तरह झुलसे 7 लोगो अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जुलूस में करीब 200 लोग शामिल थे। इसी दौरान लगभग 20 फीट ऊंचाई पर गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन से ताजिया टकरा गया। बिजली लाइन काफी नीचे थी। ताजिया के संपर्क में आते ही करंट फैल गया और आगे चल रहे कई लोग जमीन पर गिर पड़े। प्रत्यक्षदर्शी इमामुद्दीन मंसूरी ने बताया कि जुलूस के दौरान इसी ताजिया के हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से करंट फैल गया। हादसे के समय मौके पर न पुलिस थी और न ही बिजली विभाग का कोई कर्मचारी। ताजिया में बिजली का करंट फैलने के बाद भगदड़ मच गई। कई लोग जमीन पर गिर पड़े। हादसे के बाद मौके पर लोग एकत्रित हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस ही मौके पर पहुंच गई और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया, जहां तीन लोगों की मृत घोषित कर दिया गया।मृतकों की पहचान रशीद खान, सद्धू हुसैन और अरबाज खान के रूप में हुई है। हालांकि, अरबाज के परिजन उसे अस्पताल से कहीं और ले गए। इस कारण प्रशासन ने 2 मौतों की पुष्टि की है, जबकि ड्यूटी डॉक्टर रविंद्र सोलंकी ने तीन मौतों की पुष्टि की है। सात लोग घायल हुए हैं, जिनमें 5 की हालत गंभीर है। सभी को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया। घटना पिपलोदा के हतनारा गांव की है।मेडिकल कॉलेज में भर्ती घायलों में अनास (16) पुत्र अकरम, मोइन शाह (35) पुत्र इश्क शाह, रहीम खान, अख्तियार खान, इरफान, शाहरुख, शकील, रईस, मोहम्मद और वहीद शामिल हैं। वहीं इब्राहिम पुत्र हनीफ को रतलाम अस्पताल में भर्ती कराया गया है।रतलाम मेडिकल कॉलेज में ड्यूटी पर तैनात डॉ. रविंद्र सोलंकी ने बताया कि तीन लोगों की पहले ही मौत हो चुकी थी। उन्हें मृत अवस्था में अस्पताल लाया गया था। तीन मृतकों में से दो के परिजन औपचारिक कागजी प्रक्रिया पूरी किए बिना उन्हें अपने साथ ले गए।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा से तरुण चुग ने की मुलाकात, पंजाब की स्वास्थ्य व्यवस्था पर जताई चिंता

नई दिल्ली, (एजेंसी) : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के महासचिव तरुण चुग ने शुक्रवार को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा से नई दिल्ली में मुलाकात कर पंजाब की स्वास्थ्य व्यवस्था सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की ओर से संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं और उनके देशभर में करोड़ों लोगों के जीवन पर पड़े सकारात्मक प्रभाव पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।मुलाकात के बाद मीडिया से बातचीत में तरुण चुग ने कहा कि उन्होंने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री के समक्ष पंजाब की स्वास्थ्य सेवाओं की मौजूदा स्थिति को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की प्रशासनिक विफलताओं और गलत प्राथमिकताओं के कारण राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था गंभीर संकट का सामना कर रही है।

चुग ने कहा कि पंजाब के लोगों को बेहतर, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रभावी सुधार के लिए जवाबदेह और पारदर्शी प्रशासन जरूरी है।

भाजपा महासचिव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार स्वास्थ्य क्षेत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। भाजपा बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं, पारदर्शी सुशासन और समावेशी विकास के अपने संकल्प के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा जनता के हितों की रक्षा के लिए निरंतर प्रयास करती रहेगी।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ देश के हर वर्ग तक पहुंचाने और स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत बनाने के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

संक्षिप्त खबरें

दहेज की भेंट चढ़ी विवाहिता:ससुराल वालों पर जलाकर मारने का आरोप

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : पलामू जिले में एक और बेटी दहेज की वेदी पर बलि चढ़ गयी।मामला तरहसी थाना क्षेत्र के कसमार गांव का है। जहां दहेज के लिए एक नवविवाहिता को ससुराल वालों द्वारा कथित तौर पर पेट्रोल छिड़ककर आग के हवाले कर दिया गया। इलाज के दौरान रिम्स, रांची में उसकी मौत हो गयी।मृतका नेहा कुमारी के पिता बल्लू राम (निवासी चतरा) द्वारा थाने में की गयी शिकायत के अनुसार, नेहा की शादी 25 नवंबर 2025 को हिंदू रीति-रिवाज से कसमार निवासी पवन कुमार के साथ हुई थी।परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग दहेज के लिए नेहा को शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे।आरोप है कि 10 मई 2026 की शाम को नेहा के पति पवन कुमार और ससुर महेंद्र राम ने उस पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी।गंभीर हालत में उसे पहले मेदिनीनगर और फिर रांची के रिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया।करीब डेढ़ महीने तक जिंदगी और मौत से लड़ने के बाद, 26 जून 2026 की सुबह नेहा ने दम तोड़ दिया।मृतका के पिता ने तरहसी थाना प्रभारी को लिखित आवेदन देकर पति, ससुर और अन्य दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई और न्याय की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है।

धनुडीह में वित्तीय जागरूकता शिविर, ग्रामीणों को बैंकिंग योजनाओं की दी जानकारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला खरसावां जिला में भारतीय रिजर्व बैंक के मनी वाइज प्रोग्राम के तहत शुक्रवार को जनवानी पंचायत के धनुडीह गांव में साख फाउंडेशन की ओर से एक दिवसीय वित्तीय जागरूकता सह वित्तीय समावेशन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों को सुरक्षित बैंकिंग, डिजिटल भुगतान तथा केंद्र सरकार की विभिन्न वित्तीय सुरक्षा एवं पेंशन योजनाओं के प्रति जागरूक बनाना था।शिविर में ग्रामीणों के नए बैंक खाते खोले गए, साथ ही प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, केवाईसी, डीबीटी अपडेट तथा बैंक खातों में नॉमिनी जोड़ने की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई।ग्रामीणों को डिजिटल लेनदेन के सुरक्षित तरीकों की जानकारी देते हुए साइबर ठगी से बचाव के उपाय भी बताए।ग्रामीणों को बैंकिंग सेवाओं से सीधे जोड़ने के लिए पंचायत स्तरीय बिजनेस करेस्पोंडेंट (बीसी) कैंप भी लगाया गया।इसमें बैंक ऑफ इंडिया की बीसी रबिना प्रधान तथा केनरा बैंक, झलक के बीसी सिवेश्वर सरदार ने लाभुकों को विभिन्न बैंकिंग सेवाएं प्रदान कीं और योजनाओं की जानकारी दी।हरिराम माडीं ने कहा कि वित्तीय साक्षरता और बैंकिंग सेवाओं तक आसान पहुंच से ग्रामीण आर्थिक रूप से अधिक सशक्त बनेंगे तथा सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र लोगों तक पहुंचेगा।कार्यक्रम में साख फाउंडेशन के सीएफएल प्रभारी हरिराम माडीं, जनवानी पंचायत की मुखिया नमिता सोरेन तथा धनुडीह के ग्राम प्रधान मदिराय पुर्ती उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय मादक द्रव्य निरोधक दिवस पर छात्रों ने ली नशामुक्ति की शपथ

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला खरसावां जिला में अंतरराष्ट्रीय मादक द्रव्य निरोधक दिवस एवं अवैध तस्करी निरोधक दिवस के अवसर पर शुक्रवार को राजनगर प्रखंड के महेशकुदर स्थित शहीद निर्मल महतो विद्या मंदिर में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव तौसीफ मेराज के निर्देश पर आयोजित हुआ।इसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों और ग्रामीणों को मादक पदार्थों के दुष्प्रभाव तथा अवैध तस्करी के खिलाफ जागरूक किया गया।

कार्यक्रम में पीएलवी रविकांत भक्त ने कहा कि मादक पदार्थों का सेवन व्यक्ति, परिवार और पूरे समाज के लिए घातक है।उन्होंने बताया कि नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार और दुरुपयोग को रोकने के लिए भारतीय कानून में कड़े दंड का प्रावधान है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और समाज में नशामुक्ति का संदेश फैलाने का आह्वान किया।विद्यालय के प्रधानाचार्य मणिक लाल महतो ने कहा कि देश का भविष्य विद्यार्थियों के हाथों में है।इसलिए युवाओं को नशे जैसी बुराइयों से दूर रहकर स्वस्थ, अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनने का संकल्प लेना चाहिए।

मौके पर प्रधानाचार्य मणिक लाल महतो, प्रदीप कुमार महतो, विद्यासागर महतो, पूर्णिमा महतो सहित विद्यालय के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

डैम से 21 वर्षीय युवक का शव बरामद, मां ने जताई हत्या की आशंका

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला थाना क्षेत्र के मझला दावना गांव स्थित डैम से शुक्रवार को 21 वर्षीय युवक सूरज माडीं का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई।युवक पिछले दो दिनों से लापता था। सुबह स्थानीय लोगों ने डैम में शव तैरता देखा और पुलिस को सूचना दी।सूचना पर पहुंची सरायकेला थाना पुलिस ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद दोपहर लगभग 12:30 बजे शव को बाहर निकाला।शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है।जानकारी के अनुसार मझला दावना निवासी सूरज माडीं 24 जून को गांव के डैम में मछली पकड़ने गया था।बताया जा रहा है कि उसके साथ कुछ अन्य युवक भी थे, लेकिन इसके बाद वह घर नहीं लौटा।परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला।मृतक की मां ने घटना को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई है।उनका कहना है कि बेटे की मौत सामान्य डूबने की घटना नहीं लगती।मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है।सरायकेला थाना प्रभारी विनय कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला डूबने से हुई मौत लग रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

गांजा तस्करी मामले का फरार आरोपी गिरफ्तार, 2.40 लाख रु नकद बरामद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सिमडेगा : सिमडेगा जिले के जलडेगा थाना पुलिस ने गांजा तस्करी के एक बड़े मामले में फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।एसडीपीओ डीडी पासवान ने बताया कि इस वर्ष 14 अप्रैल को बांसजोर ओ पी क्षेत्र में एक कार से 27.998 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया था। मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था, जबकि गांजा सप्लायर अशीष साह उर्फ अशीष साव फरार था। गुप्त सूचना के आधार पुलिस ने कार्रवाई करते हुए फरार आरोपी अशीष साह उर्फ अशीष साव को जलडेगा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। वह ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले का निवासी है।

लेस्लीगंज में प्रसव के बाद नवजात की मौत, आशीर्वाद हॉस्पिटल में हंगामा के बाद सील

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : जिले के लेस्लीगंज बाजार के ढेला रोड स्थित न्यू आशीर्वाद हॉस्पिटल में प्रसव के बाद नवजात की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया।घटना गुरुवार की रात्रि की बतायी जा रही है। जानकारी के अनुसार संजीत राम की पत्नी को प्रसव पीड़ा के बाद स्वास्थ्य सहिया अंजु देवी के द्वारा ढेला रोड़ स्थित न्यू आशीर्वाद हॉस्पिटल में भर्ती कराया था।प्रसव के बाद नवजात की तबीयत बिगड़ने लगी।जिसके बाद अस्पताल प्रबंधन द्वारा उसे बेहतर इलाज के लिए मेदिनीनगर रेफर किया गया था, लेकिन रास्ते में ही नवजात मौत हो गयी। परिजनों ने हॉस्पिटल में जमकर हंगामा किया। आरोप है कि अस्पताल संचालक की लापर-वाही और उचित चिकित्सकीय व्यवस्था उपलब्ध नहीं होने के कारण नवजात की जान चली गयी।घटना के बाद अस्पताल परिसर में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। घटना की सूचना मिलने के बाद पलामू के सिविल सर्जन अनिल कुमार श्रीवास्तव,प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. राजीव रंजन व लेस्लीगंज थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय दल बल के साथ शुक्रवार की सुबह हॉस्पिटल पहुंचे। मामले की गहन जांच में अस्पताल के दस्तावेजों एवं संचालन व्यवस्था की भी जांच की गयी। जिसमें कई गंभीर अनियमितताएं पायी गयी।साथ ही जांच के दौरान अस्पताल में चिकित्सक उपस्थित नहीं मिलने पर तत्काल प्रभाव से अस्पताल को सील कर दिया गया। सजीत राम पोखरी बरवाडीह गांव के रहने वाला है।पिछले कई दिनों से ससुराल में रह रहा है।स्थानीय लोगों का कहना है कि स्वास्थ्य सहिया कमीशन के लालच में लोगों को मौत के मुंह में धकेल रही है।निजी हॉस्पिटल संचालकों द्वारा उन्हें मरीज भेजने पर मोटी रकम दी जाती है।जिसके वजह से सहिया गर्भवती महिलाओं या अन्य किसी भी बिमारी से पीड़ित मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने का प्रलोभन देकर स-रकारी हॉस्पिटल को छोड़कर निजी हॉस्पिटल भेज दिया जा रहा है. जांच में भी इसकी पुष्टि हुई है।स्थानीय ग्रामीणों की माने तो स्वास्थ्य विभग द्वारा पूर्व में सील किये गये भवन में ही अस्पताल संचालित हो रहा था।पूर्व में अहर्ता पूरा नहीं करने पर जांच के दौरान प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी द्वारा अस्पताल को सील कर दिया गया था, लेकिन बाद में सिविल सर्जन कार्यालय की मिलिभगत से उसी भवन में नाम बदलकर अस्पताल संचालित होने लगा था। पलामू के सिविल सर्जन डॉक्टर अनिल श्रीवास्तव ने कहा कि पूर्व में सील किये गये निजी अस्पताल को गैर कानूनी तरीके से संचालित करना अपराध है।इस मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जायेगी।

झाडियों के बीच मिला जमुई के युवक का शव पुरनाडीह नवादा स्थित पुल के समीप की घटना

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : नवलशाही थाना क्षेत्र के कोडरमा गिरिडीह मुख्य मार्ग पर पुरनाडीह नवादा स्थित पुल के समीप झाडियों से नवलशाही थाना पुलिस ने शुक्रवार को एक शव बरामद किया।मृतक की पहचान बिहार के जमुई जिला के खैरा थाना क्षेत्र के रजौन (मुड़वारो) निवासी प्रभु यादव के 44 वर्षीय पुत्र सुनील कुमार यादव के रूप में हुई है।घटना की जानकारी देते हुए फुलवरिया निवासी अनु मेहता ने बताया कि सुनील मेरा ट्रेक्टर चलाता था और पुरनाडीह में एक किराए के घर में रहता था। उसका एक चचेरा भाई पुरनाडीह स्थित एक खदान में हाइवा चलाता है।मृतक गुरुवार की रात मुर्गा खाने की बात कहकर अपने कमरे से निकला था, लेकिन जब वह रातभर में अपना रुम वापस नहीं लौटा तो शुक्रवार अहले सुबह लोग उसकी खोजबीन करने निकले। इसी बीच पुरनाडीह-नवादा पुल के समीप वह झाड़ी में पड़ा मिला।आशंका जतायी जा रही है कि घटना स्थल पर बालू गिरा है।

मुर्गा चोरी के आरोप में दो गिरफ्तार, भेजे गए जेल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

कोडरमा : झुमरीतिलैया थाना क्षेत्र के मुख्य डाकघर के पास संचालित शहबाज चिकन सेंटर से मुर्गा चोरी मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार आरोपियों में हजारीबाग निवासी नरेश प्रसाद मेहता व बिनोद कुमार मंडल शामिल हैं।इनके पास से चोरी का 35 मुर्गा भी बरामद किया गया है।पुलिस ने इन्हें बरही से गिरफ्तार किया।जानकारी के अनुसार गत दिन शहबाज चिकन सेंटर में चोरी की घटना को लेकर संचालक ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी. दर्ज प्राथमिकी में सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोरी का संदेह कुछ लोगों पर जताया गया था।इसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

लोहरदगा में वज्रपात का कहर:दो महिलाओं की मौत, छह घायल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लोहरदगा : शुक्रवार को जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हुई वज्रपात की घटनाओं में दो महिलाओं की मौत हो गई, जबकि छह लोग घायल हो गए। सभी घायलों का इलाज सदर अस्पताल, लोहरदगा में चल रहा है।कुडू थाना क्षेत्र के सलगी कोलपारा गांव में खेत में काम करने के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से घुरती उरांव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पति कर्मा उरांव गंभीर रूप से झुलस गए। इसी घटना में सरस्वती देवी भी घायल हो गईं।वहीं, किस्को प्रखंड के बगडू थाना क्षेत्र के चरहु गांव में बकरी चराने के दौरान वज्रपात की चपेट में आने से हशीदा खातून की मौत हो गई। इसके अलावा किस्को थाना क्षेत्र के टिसिया नवाटोली में बारिश से बचने के लिए एक घर में रुके सोनमती देवी, नीतू कुमारी, महेंद्र मुंडा और सरस्वती देवी वज्रपात की चपेट में आकर घायल हो गए। घटना में एक अल्बेस्टर मकान और सोलर जलमीनार भी क्षतिग्रस्त हो गए।दोनों घटनाओं के बाद संबंधित थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को आपदा राहत के तहत मुआवजा देने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

कोल्हान विश्वविद्यालय में यूजी के लिए 15 हजार के करीब आवेदन, पीजी एडमिशन भी शुरू

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : कोल्हान विश्वविद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र के लिए नामांकन प्रक्रिया चल रही है।स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए अब तक करीब 15 हजार आवेदन प्राप्त हो चुके हैं, जबकि स्नातकोत्तर में भी ऑनलाइन आवेदन शुरू होते ही छात्रों का रुझान दिखने लगा है। विश्वविद्यालय ने पीजी नामांकन का विस्तृत कार्यक्रम जारी करते हुए विद्यार्थियों से समय रहते आवेदन करने की अपील की है।कोल्हान विश्वविद्यालय के शैक्षणिक सत्र 2025झ27 के लिए चांसलर पोर्टल पर स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए अब तक 14,948 आवेदन प्राप्त हुए हैं।वहीं, 24 जून से शुरू हुई स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर की ऑनलाइन नामांकन प्रक्रिया में अब तक 68 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं।विश्वविद्यालय प्रशासन ने पीजी प्रथम सेमेस्टर में नामांकन के लिए विस्तृत कार्यक्रम जारी किया है।इसके तहत ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 11 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है।प्रथम मेधा सूची 15 जुलाई को प्रकाशित होगी, जबकि चयनित विद्यार्थियों का नामांकन 15 से 24 जुलाई तक होगा।नए शैक्षणिक सत्र की कक्षाएं 10 अगस्त 2026 से शुरू होंगी।विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्र-छात्राओं से अपील की है कि वे अंतिम समय में पोर्टल पर बढ़ने वाले ट्रैफिक और संभावित तकनीकी समस्याओं से बचने के लिए आवेदन की अंतिम तिथि का इंतजार न करें।

सौहार्दपूर्ण वातावरण में पलामू में मना मुहर्रम,आकर्षक ताजिया व निशान के साथ निकला जुलूस

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पलामू : जिले में शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण में मुहर्रम त्योहार मनाया गया। इस अवसर पर जिले के सभी प्रखंडों के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में इस्लाम धर्मावलंबियों ने जुलूस निकाला. भीषण गर्मी व तेज धूप की परवाह किये बिना मुस्लिम समुदाय के लोग निशान के साथ जुलूस में शामिल होकर मातम कर रहे थे।या हसन, या हुसैन के नारे से वातावरण गूंज रहा था। मुहर्रम के अवसर पर झंडा, ताजिया व सीपड़ के साथ जुलूस निकाला गया।सुरक्षा को लेकर पुलिस प्रशासन सक्रिय रही।जिला मुख्यालय मेदिनीनगर शहर में शुक्रवार को जुम्मा की नमाज के बाद दोपहर दो बजे के बाद जुलूस निकला। मु-हर्रम इंतजामिया कमेटी जेनरल के नेतृत्व में शहर के विभिन्न मुहल्लों से जुलूस निकाला गया। इस दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्र से मातमी गीत गाए जा रहे थे। वहीं चौक-चौराहों पर गोल लगाकर खिलाड़ियों ने पारंपरिक हथियारों से खेल का प्रदर्शन किया।शहर के पहाड़ी मुहल्ला स्थित कर्बला मैदान से निकला जुलूस शाह मोहल्ला होते हुए कन्नी राम चौक पहुंचा।जुलूस में हुसैन नगर, राहत नगर, कुंड मुहल्ला,

मुस्लिमनगर, कसाव मुहल्ला, माली मोहल्ला, शास्त्री नगर, धोबी मुहल्ला, सुदना, नावाटोली,बैरिया, सिंगरा के मुस्लिम समुदाय के लोग निशान,ताजिया व बाजे-गाजे के साथ जुलूस में शामिल हुए. निर्धारित मार्ग से होते जुलूस छह मुहान पहुंचा। श्री महावीर नवयुवक दल जेनरल ने शहर थाना परिसर समारोह आयोजित कर मुहर्रम कमेटी के पदधारियों को सम्मानित किया।छह मुहान के पास काफी देर तक गोल जमा रहा और लोगों ने पारंपरिक हथियारों से करतब दिखाए।इसके बाद जुलूस जिला स्कूल चौक, सेवा सदन रोड, कोयल नदी तट, शिवाला घाट, शिवाला रोड, आढ़त रोड, कन्नीराम चौक होते हुए वापस हुआ।इधर जेनरल के नेतृत्व में कोयल पुल पर शाहपुर की जुलूस मिलन हुआ। जुलूस में शामिल लोग या हुसैन, या अली का नारा लगाते हुए मातम कर रहे थे।जुलूस में शांति व सुरक्षा व्यवस्था कायम रखने को लेकर पुलिस प्रशासन सक्रिय थी।देर रात हमीदगंज स्थित कर्बला में मुहर्रम का पहलाम हुआ। इसी तरह जिले के चैनपुर, मेदिनीनगर सदर,लेस्लीगंज,रामगढ़, पांकी, तरहसी, सतबरवा, पाटन, विश्रामपुर, पाण्डु, हुसैनाबाद, हरिहरगंज, छतरपुर सहित अन्य प्रखंडों में सौहार्दपूर्ण माहौल में मुहर्रम मनाया गया।

पश्चिमी सिंहभूम में अवैध बालू भंडारण पर जिला प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 2.41 लाख घनफीट बालू जब्त

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : पश्चिमी सिंहभूम जिला प्रशासन द्वारा अवैध खनन, खनिज परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध चलाए जा रहे सघन अभियान के तहत शुक्रवार को गोईलकेरा प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध रूप से भंडारित बालू जब्त किया गया।जिला खनन टास्क फोर्स की इस कार्रवाई में कुल 2,41,526 घनफीट अवैध बालू बरामद कर जब्त किया गया, जिसे जिले में हाल के समय की सबसे बड़ी जब्ती का-र्रवाइयों में से एक माना जा रहा है।जानकारी के अनुसार जिला खनन टास्क फोर्स की टीम ने गोईलकेरा प्र-खंड के विभिन्न क्षेत्रों में औचक निर-ीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान सेरेंगदा थाना क्षेत्र के ग्राम कुमड़ीह में लगभग 11,286 घनफीट अवैध रूप से भंडारित बालू बरामद किया गया, जिसे मौके पर ही जब्त कर लिया गया।इसके बाद टीम ने ग्राम रायम में जांच अभियान चलाया, जहां उत्क्रमित रायम मध्य विद्यालय के खेल मैदान में लगभग 26,985 घनफीट बालू अवैध रूप से भंडारित पाया गया।वहीं ग्राम रायम के मुख्य मार्ग के दोनों ओर भी बड़ी मात्रा में बालू का अवैध भंडारण किया गया था। यहां से लगभग 2,03,255 घनफीट बालू जब्त किया गया।तीनों स्थानों से कुल मिलाकर 2,41,526 घनफीट अवैध रूप से भंडारित बालू बरामद होने के बाद जिला प्रशासन ने उसे जब्त कर अग्रेतर विधिसम्मत कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।अधिकारियों के अनुसार जब्त बालू का नियमानुसार मूल्यांकन कराया जाएगा तथा निर्धारित प्रक्रिया के तहत उसकी नीलामी की जाएगी।कार्रवाई के दौरान जिला खनन टास्क फोर्स ने स्थानीय ग्रामीणों से भी पूछताछ की, लेकिन अवैध रूप से भंडारित बालू के संबंध में किसी भी व्यक्ति की संलिप्तता अथवा जिम्मेदारी स्पष्ट नहीं हो सकी।किसी ग्रामीण ने बालू के स्वामित्व या भंडारण करने वाले व्यक्ति का नाम नहीं बताया।

जिला खनन पदाधिकारी ने बताया कि जिले में अवैध खनन, अवैध परिवहन तथा अवैध भंडारण के विरुद्ध जिला प्रशासन की का-र्रवाई लगातार जारी है।उन्होंने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के अवैध दोहन को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। भविष्य में भी जिला खनन टास्क फोर्स द्वारा नियमित रूप से औचक निरीक्षण और छापेमारी अभियान चलाकर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी का-र्रवाई की जाएगी।उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि कहीं भी अवैध खनन, खनिज परिवहन या बालू के अवैध भंडारण की जानकारी मिले तो इसकी सूचना तत्काल प्रशासन को दें, ताकि समय पर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके. जिला प्रश-ासन ने स्पष्ट किया है कि खनिज संपदा की सुरक्षा और राजस्व की हानि रोकने के लिए अभियान आगे भी पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा।

बोकारो को मिली राष्ट्रीय तीरंदाजी महाकुंभ की मेजबानी, 18 से 27 अगस्त तक होगा द्वितीय एनटीपीसी नेशनल रैंकिंग टूनार्मेंट

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : खेल नगरी के रूप में अपनी पहचान मजबूत करते हुए बोकारो को एक और बड़ी उपलब्धि मिली है।भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) ने झारखंड तीरंदाजी संघ की देखरेख में आयोजित होने वाली द्वितीय एनटीपीसी नेशनल रैंकिंग तीर-ंदाजी टूनार्मेंट 2026 की मेजबानी बोकारो जिला तीरंदाजी संघ को सौंपी है।यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय प्रतियोगिता 18 से 27 अगस्त 2026 तक बोकारो के सेक्टर -04 स्थित मोहन कुमार मंगलम खेल स्टेडियम में आयोजित होगी।प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों से 700 से अधिक अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय तीरंदाज, ओलंपियन, राष्ट्रीय कोच तथा भारतीय तीरंदाजी संघ के वरिष्ठ तकनीकी पदाधिकारी भाग लेंगे।इस आयोजन से बोकारो को राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर नई पहचान मिलने के साथ-साथ झारखंड की खेल प्रतिभा को भी नई उड़ान मिलेगी।बोकारो जिला तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष डॉ. लंबोदर महतो ने बताया कि इतने बड़े राष्ट्रीय आयोजन की मेजबानी मिलना जिले के लिए गौरव की बात है।उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर पहले प्रेस वार्ता कर आयोजन की जानकारी दी गई. इसके बाद शुक्रवार को बोकारो सर्किट हाउस में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक के बाद संघ के पदाधिकारियों ने आयोजन स्थल मोहन कुमार मंगलम स्टेडियम का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, खेल मैदान, खिलाड़ियों के ठहरने तथा उपलब्ध संसाधनों का जायजा लिया।संघ की सचिव एंजेला सिंह ने बताया कि इस प्रतियोगिता में सब जूनियर, जूनियर, सीनियर और ओलंपिक स्तर के खिलाड़ी एक ही मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

लातेहार में नशा के खिलाफ एसएसबी ने निकाली जागरूकता रैली

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

लातेहार : नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध व्यापार के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की 32 वीं बटालियन के तत्वावधान में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का नेतृत्व कार्यवाहक कमांडेंट विनय कुमार ओझा ने किया।कार्यक्रम का शुभारंभ रेलवे स्टेशन रोड पर स्थित बटालियन के मुख्यालय में शपथ ग्रहण समारोह से किया गया।इसमें एसएसबी के अधिकारी व जवानों ने नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु स्वयं को समर्पित करने तथा समाज में नशे के विरुद्ध जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया।मौके पर श्री ओझा ने अपने संदेश में कहा कि नशा एक सामाजिक बुराई है, जिससे केवल व्यक्ति ही नहीं बल्कि पूरा परिवार और समाज प्रभावित होता है।युवाओं को नशे से बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। जनसहभागिता और सतत जागरूकता के माध्यम से ही नशामुक्त समाज का निर्माण संभव है।शपथ ग्रहण के बाद जागरूकता पैदल रैली निकाली गयी. यह रैली रेलवे स्टेशन क्षेत्र के नवरंग चौक व लातेहार सहित नगर के प्रमुख मार्गों से होकर पुनः बटालियन के मुख्यालय पहुंचकर संपन्न हुई।रैली के दौरान जवानों ने नशा छोड़ो, जीवन जोड़ो, नशा मुक्त भारत स्वस्थ भारत, युवा शक्ति, राष्ट्र शक्ति नशामुक्त हो हर बस्ती आदि जैसे प्रेरणादायक नारों के माध्यम से आम लोगों को जागरूक किया। रैली में अधिकारियों एवं जवानों के साथ बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कोलेबिरा में युवती हत्याकांड का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सिमडेगा : कोलेबिरा थाना क्षेत्र के देवनदी पुल के पास 24 जून को बरामद अज्ञात महिला के शव मामले का सिमडेगा पुलिस ने 48 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। घटना के पीछे प्रेम प्रसंग का मामला बताया गया है। पुलिस ने इस मामले में मुख्य आरोपी मोनू साहू उर्फ मोनू कुमार (27 वर्ष), निवासी नवाटोली, कोलेबिरा को गिरफ्तार कर लिया है।आरोपी ने पूछताछ में हत्या में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है।पुलिस के अनुसार 24 जून को देवनदी पुल के पास एक अज्ञात महिला का शव मिला था।जांच में पता चला कि महिला की बेरहमी से हत्या कर शव को साक्ष्य छिपाने की नीयत से नदी किनारे फेंक दिया गया था।मामले में कोलेबिरा थाना कांड संख्या 34/2026 दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एसडीपीओ धर्मदेव पासवान के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने तकनीकी एवं मानवीय सूचना के आधार पर मृतका की पहचान ललित देवी (24 वर्ष), निवासी कॉलेज टोली, कोलेबिरा के रूप में की। इसके बाद छापेमारी कर आरोपी मोनू साहू को गिरफ्तार किया गया।आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त मारुति सुजुकी डिजायर कार(जेएच01 सिक्यु 6866), मृतका का मोबाइल फोन, चप्पल तथा आरोपी का मोबाइल फोन बरामद किया गया है।

ट्रूथ पर्थ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक कुमार भारती के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रीटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर के.जी. आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रिक एवं नियर भाटिया शिव मंदिर, गांधी नगर धनबाद से प्रकाशित फोन नं. 7004605076, 9852421580
संपादकः- रवि रंजन * इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं सम्पादन हेतु पी आर बी एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उतरदायी। ई. मेलः-truthpath941@gmail.com आर. एन. आई.नंबर .-JHAHIN/2023/90593

संक्षिप्त खबरें

भू - धंसान से कांटा पहाड़ी के लोग दहशत में

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः अंगारपथरा कांटा पहाड़ी में मंगलवार की शाम पड़ी दरार व भू-धंसान से लोगों में दहशत हैं। प्रबंधन पर वादा खिलाफी का आरोप लगा महिलाओं ने फिर एक बार शुक्रवार को अंगारपथरा कांटा पहाड़ी विद्युत सब स्टेशन पर विरोध प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि प्रबंधन द्वारा भू-धंसान स्थल की भराई का भरोसा दिलाया गया था इसके बावजूद अभी तक काम चालू नहीं किया गया है। बीते बुधवार को दरार पड़े भू-धंसान स्थल की भराई की मांग को लेकर महिलाओं ने विद्युत सब स्टेशन में विरोध प्रदर्शन की थी। वहीं एकेडब्लूएमसी कोलियरी प्रबंधक नागदेव यादव ने महिलाओं को गुरुवार को उक्त भू- धंसान स्थल की भराई कराने का आश्वासन दिया था। इधर प्रबंधन द्वारा जेसीबी मशीन भेजा गया जिससे भराई कार्य नहीं हो सकता था। लोगों का कहना था कि पेलोडर मशीन भेज कर भराई कराया जाए। प्रबंधन की ओर से भू-धंसान स्थल की भराई का आश्वासन दिये जाने के बावजूद पहल नहीं की गई। महिलाओं ने बताया कि भू-धंसान व दरार धीरे- धीरे बढ़ते जा रहा है। पार्षद राममूर्ति सिंह उर्फ छोटू सिंह ने दूरभाष पर महिलाओं को समझा बुझाकर शांत कराया। उन्होंने कहा कि फिलहाल मैं बाहर हूं शीघ्र ही उक्त भू-धंसान स्थल की भराई कराई जाएगी अन्यथा मैं स्वयं उक्त स्थल पर धरना पर बैठूंगा। इसके बाद महिलाएं शांत हुई।

गोविंदपुर में बाइक टक्कर में युवक की मौतः बाइक सवार फरार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादःगोविंदपुर में तेज रफ्तार का कहर बाइक टक्कर में युवक की मौत; आरोपी फरार मोहर्रम के दिन अपना नर्सिंग होम के पास हुआ हादसा सीसीटीवी फुटेज के आधार पर फरार बाइक सवार की तलाश में जुटी पुलिस धनबाद। गोविंदपुर थाना क्षेत्र में मोहर्रम के दिन शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। गोविंदपुर-साहिबगंज रोड पर स्थित अपना नर्सिंग होम के समीप तेज रफ्तार दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा बाइक सवार मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान पथुरिया निवासी रियाज अंसारी के पुत्र शाहबाज अंसारी के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी जोरदार थी कि शाहबाज ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद टक्कर मारने वाला बाइक चालक अपनी बाइक लेकर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि हादसे की पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। हालांकि फुटेज साफ नहीं होने के कारण अब तक आरोपी बाइक चालक की पहचान नहीं हो सकी है। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर फरार बाइक सवार की तलाश में जुट गई है और मामले की जांच की जा रही है। मृतक की पहचान पथुरिया निवासी रियाज अंसारी के पुत्र शाहबाज अंसारी के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी जोरदार थी कि शाहबाज ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद टक्कर मारने वाला बाइक चालक अपनी बाइक लेकर फरार हो गया। बताया जा रहा है कि हादसे की पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। हालांकि फुटेज साफ नहीं होने के कारण अब तक आरोपी बाइक चालक की पहचान नहीं हो सकी है। फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर फरार बाइक सवार की तलाश में जुट गई है और मामले की जांच की जा रही है।

क्षेत्रीय राजपूत समाज की हुई बैठक

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादःधनबाद-बोकारो क्षेत्रीय राजपूत समाज, झारखंड प्रदेश की त्रैमासिक बैठक शुक्रवार को अरलगड़िया श्रमिक क्लब, पुटकी में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष जन्मजय सिंह ने की। कार्यक्रम में केंद्रीय महामंत्री सिरीस सिंह, जोन-3 के अध्यक्ष सुचिन सिंह तथा ग्रामीण अध्यक्ष मनबोध सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। बैठक में समाज के सर्वांगीण विकास से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने बच्चों की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देने, दहेज प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन तथा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को समाज की ओर से हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया। साथ ही वर्ष 2026 में प्रस्तावित वार्षिक अधिवेशन की तैयारियों एवं रूपरेखा की समीक्षा की गई। बैठक में समाज के संविधान एवं नियमावली से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर भी विचार-विमर्श कर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने पर जोर दिया गया। बैठक में रामचरित्र सिंह, नीपू सिंह, से पी.एन. सिंह, सुरेंद्रनाथ सिंह, अरविंद राय, जयराम सिंह, मनोज कुमार सिंह (मुखिया), दुनियालाल सिंह, मनबोध सिंह, राजू सिंह, शंकर दयाल देव, महावीर सिंह, राजकुमार सिंह, सूर्य नारायण सिंह, शिवराम सिंह, दीपक सिंह, मसूदन सिंह, रामबालक सिंह, अतुल सिंह, कन्हाई सिंह, पशुपति देव सहित बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य सदस्य एवं आप कुटुंब उपस्थित रहे। बैठक का समापन समाज की एकजुटता एवं सामाजिक उत्थान के संकल्प के साथ हुआ।

हरिणा में लायंस संकल्प प्ले स्कूल का उद्घाटन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः लायंस क्लब बाघमारा सेंटेनियल के उपाध्यक्ष गोपाल सिंह द्वारा हरिणा में 'लायंस संकल्प प्ले स्कूल' की स्थापना की गई है। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि बाघमारा विधायक के सुपुत्र निशांत कुमार , एमजेएफ मदन मोहन और क्लब अध्यक्ष शशिकांत शरण ने संयुक्त रूप से किया। इस मौके पर मुख्य अतिथि को शॉल व बुके देकर सम्मानित किया गया। साथ ही शिक्षा क्षेत्र में विशेष सहयोग के लिए मदन मोहन और शशिकांत शरण को सम्मानित किया गया। क्लब अध्यक्ष ने सक्रिय सदस्यों को उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए मोमेंटो भेंट किए। निशांत कुमार ने स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में क्लब के योगदान को अविस्मरणीय बताया। वहीं मदन मोहन ने सदस्यों को भविष्य में और बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन मदन मोहन महतो ने किया। मौके पर विक्की रवानी, दीपक प्रसाद, शंकर नापित, संतोष वर्णवाल,लक्ष्मण रवानी, बिनोद कुमार मिश्रा, सावित्री पाल,राजीव रंजन, प्रिंसिपल संगीता देवी, धीरज सिंह, सनी रवानी, राशि कुमारी, सोनी कुमारी, रिया कुमारी, खुशबू कुमारी, करुणा कुमारी एवं बैलून देवी सहित स्थानीय गणमान्य लोग मौजूद थे।

धनबाद एवं आसपास के क्षेत्र में मोहर्रम शांति व सौहार्दपूर्ण संपन्न

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः धनबादा एवं आसपास के क्षेत्र में शांति व सौहार्द के साथ मोहर्रम संपन्न हो गया। कतरास के विभिन्न अखाड़ा दलों के खिलाड़ियों ने कतरास बाजार मोड़ पहुंचकर अपने-अपने खेलों का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों ने एक से बढ़कर एक हैरत अंगेज खेल दिखाएं। कतरास बाजार मस्जिद मोहल्ला में मोहर्रम कमेटी द्वारा जुलूस के साथ आकर्षक ताजिया निकली। इसके पूर्व मोहर्रम कमेटी द्वारा समारोह आयोजित कर अखाड़ा में आने वाले अतिथियों को पगड़ी बांधकर सम्मानित किया गया। मौके पर बाघमारा डीएसपी अजीत कुमार विमल, बाघमारा अंचलाअधिकारी गिरजानंद किस्कू कतरास थानेदार प्रवीण कुमार कांग्रेस के जिला अध्यक्ष संतोष सिंह राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर कांग्रेस के प्रदेश सचिव जावेद रजा,मजदूर नेता रणधीर ठाकुर वार्ड नंबर 1 के पार्षद डॉ मधुमाला, वार्ड 5 की पार्षद निरुपमा देवी, पूर्व पार्षद हरिप्रसाद अग्रवाल, अधिवक्ता अमित भगत, डॉक्टर स्वतंत्र कुमार, गौशाला के सचिव महेश अग्रवाल,चेंबर ऑफ कॉमर्स के सचिव विष्णु चौरसिया, अध्यक्ष उदय वर्मा,मो नदीम, मासूम खान, मस्जिद पट्टी के सदर शब्बीर आलम उर्फ पप्पू, मो अमजद, मो नदीम, मो लालू, मोनू खान, मो अख्तर, मुन्ना सिद्दीकी, दिग्विजय सिंह, रंजीत, समीर जायसवाल, गुड्डू वर्मा, आदि उपस्थित थे।

बाघमारा। बाघमारा क्षेत्र में मुहर्रम शांति व सौहार्दपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।क्षेत्र के तीन अखाड़ा दल तेलोटांड मिलत यंग कमेंटी, अकबर कमेटी मिल्लते इस्लामिया खोहाड़ मोहल्ला एवं रहबर कमेटी रथटांड का ताजिया निकाला। सभी ताजिया आमबाड़ा से निर्धारित समय एवं रूट पर पुलिस की भारी सुरक्षा के बीच निकाला गया । मौके पर शांति समिति के सदस्य भी मौजूद थे। विधि- व्यवस्था बनाये रखने के लिए जगह- जगह पर पुलिस बल तैनात किए गए थे। क्षेत्र के तीनों अखाड़ा दल विभिन्न तरह के खेलों का प्रर्दशन करते जुलूस के साथ बाघमारा थाना परसर पहुंचे। मौके पर उपस्थित बीडीओ लक्ष्मण यादव , थाना प्रभारी अजीत कुमार एवं पुजसस के सदस्यों को हरा पगड़ी पहनाकर तीनों अखाड़ा दलों का स्वागत किया। बारी- बारी से तीनों अखड़ा दलों के खिलाड़ियों ने अतिथियों के समक्ष सलामी पेश कर हैरतअंगेज खेल का प्रर्दशन किया। अखाड़ा दलों के द्वारा थाना प्रभारी एवं पुजसस के पदाधिकारियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। थाना परिसर में खिलाड़ियों के लिए शर्बत की व्यवस्था थी। शांति पूर्ण ढंग से मुहर्रम को सफल बनाने में पुजसस की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मौके पर महेश शास्त्री, विजय शर्मा, धनेश्वर ठाकुर, बब्लू अंसारी, मो.असरफ , मिराज खान, मो.सनावर, मो. फरवेज, मो.सलीम, पपन आलम, आसिफ खान, परवेज आलम, मिराज खान, हैदर हुसैन, अशरफ अंसारी, बंटी अंसारी, पपन अंसारी, शफीक टेलर, तरवेज आलम, आदि लोग मौजूद थे।

डीडीसी ने सदर अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः उप विकास आयुक्त (डीडीसी) सन्नी राज ने शुक्रवार को सदर अस्पताल का निरीक्षण किया। इस निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य अस्पताल में चल रहे बुनियादी ढांचे के विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करना और मरीजों के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाओं में मौजूद कमियों की पहचान करना था। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर में निर्माण कार्य का जायजा लिया। उन्होंने काम में तेजी लाने तथा कार्य की गुणवत्ता से कोई समझौता न करने के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने आपातकालीन सेवाओं, ओपीडी, पेयजल, स्वच्छता और बिजली की व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन को निर्देश दिए कि अस्पताल आने वाले मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। दवाओं की उपलब्धता और डॉक्टरों की समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया। उन्होंने कहा कि सदर अस्पताल को जिले का सबसे सुलभ और आधुनिक चिकित्सा केंद्र बनाना प्रशासन की प्राथमिकता है। वर्तमान में जारी इंफ्रास्ट्रक्चर के काम को समय सीमा के भीतर पूरा किया जाएगा। मौके पर सिविल सर्जन डॉ आलोक विश्वकर्मा, उपाधीक्षक डॉ संजीव कुमार प्रसाद व अन्य पदाधिकारी मौजूद थे।

ब्लॉक दो में शब्दावली प्रतियोगिता आयोजित

बाघमारा। बीसीसीएल के ब्लॉक- दो क्षेत्रीय कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में शुक्रवार को महाप्रबंधक कुमार रंजीव की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक हुई। बैठक के दौरान राजभाषा से संबंधित शब्दावली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में सभी विभागों के विभागाध्यक्ष, अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रबंधक (मा.सं.) स्नेहा द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में अव्वल आने वाले प्रतिभागियों को मुंशी प्रेमचंद की प्रमुख रचनाओं की किताबें एवं कलम देकर सम्मानित किया गया। मौके पर प्रबंधक (मा.सं.) अनिल कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक प्रशासन प्रवीण कुमार झा, क्षेत्रीय असैनिक अभियंता साक्षी रेणी होरो, असैनिक अभियंता अनिल कुमार यादव, सहायक प्रबंधक पर्यावरण पुरुषोत्तम कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

एशियन जालान अस्पताल में मरीज की मौत, परिजनों का हंगामा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबाद एशियन जालान अस्पताल मरीज की मौत पर परिजनों हंगामा मचाया। अस्पताल प्रबंधन पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया। हंगामा की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और हंगामा कर रहे लोगों को समझाकर शांत किया। दुर्घटना में घायल मरीज मिथिलेश पासवान का इलाज 20 जून से जालान अस्पताल में चल रहा था। अस्पताल प्रबंधन में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर लापरवाही के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। मृतक के परिजनों के मुताबिक गिरिडीह का 24 वर्षीय मिथलेश पासवान 20 जून को सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें इलाज के लिए एशियन जालान अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दुर्घटना में युवक के सिर पर गंभीर चोट लगी थी, जिसके बाद से उसका इलाज अस्पताल में चल रहा था। परिजनों का कहना है कि इलाज के दौरान मरीज की हालत लगातार बिगड़ती गई, लेकिन समय पर उचित चिकित्सा नहीं मिलने के कारण उसकी मौत हो गई। मरीज की मौत की खबर मिलते ही परिजन और स्थानीय लोग आक्रोशित हो गए। उन्होंने अस्पताल परिसर में हंगामा करते हुए इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया। हंगामे की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों को समझाकर स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस पूरे मामले की जानकारी जुटाने में लगी है। वहीं, अस्पताल प्रबंधन की ओर से सभी आरोपों को बेबुनियाद ठहराया। चिकित्सकों ने बताया कि मरीज का अच्छे से इलाज किया जा रहा था। मरीज के सिर में चोट थी जोकि काफी गंभीर भी थी। पुलिस का कहना है कि परिजनों की शिकायत के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नालसा का महाअभियानः 'नशे को ना, जिंदगी को हाँ'

नशामुक्त समाज के संकल्प के साथ जिले भर में जागरूकता की लहर,न्यायाधीश

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

धनबादः राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा देश को नशे के दलदल से बाहर निकालने के लिए एक राष्ट्रव्यापी नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध और अवैध तस्करी विरोधी दिवस (विश्व ड्रग दिवस) पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश निकेश कुमार सिन्हा के निर्देश पर जिले के विभिन्न स्थानों पर नशा के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम किया गया।

इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को नशे के घातक दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करना और उन्हें एक स्वस्थ व सम्मानजनक जीवन जीने के लिए प्रेरित करना है ।उपरोक्त बातें मंडल कारा धनबाद में आयोजित कार्यक्रम में अवर न्यायाधीश सह सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार मयंक तुषार टोपनो ने कही. वहीं, बरवड्डा स्थित नशामुक्ति केंद्र आरोग्य भवन में आयोजित कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट ने कहा कि नशा विकास और खुशहाली का सबसे बड़ा दुश्मन है, नशा केवल एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार और समाज को बर्बाद कर देता है। एलएडीसएस के असिस्टेंट सुमन पाठक ने अपने संबोधन में कहा कि

नशे की लत के कारण हंसते-खेलते परिवार बिखर रहे हैं और युवाओं का भविष्य अंधकारमय हो रहा है। वहीं जिले के निरसा तोंपचाची, टंडी, गोविंदपुर प्रखंड में भी नशा के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम चलाया गया ।इस बाबत जानकारी देते हुए न्यायाधीश श्री टोपनो ने बताया कि डालसा की टीम द्वारा विभिन्न गांवों, कस्बों, स्कूलों और कॉलेजों में नुक्कड़ नाटकों, रैलियों, और विधिक साक्षरता शिविरों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के तहत इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि नशे जैसी सामाजिक बुराई को केवल सरकारी प्रयासों या कानूनों से खत्म नहीं किया जा सकता। इसके लिए समाज के हर नागरिक को आगे आना होगा।

एक स्वस्थ कल का संकल्प

नशे से दूर रहना और दूसरों को इसके प्रति सचेत करना हम सभी की नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी है। नालसा का यह जागरूकता अभियान समाज के हर वर्ग, विशेषकर युवाओं से आह्वान करता है कि वे नशे को ना कहें और एक स्वस्थ, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपना योगदान दें। कार्यक्रम में एलएडीसीएस के चीफ कुमार विमलेंदू, जेलर दिनेश वर्मा, डालसा सहायक सौरभ सरकार ,अरुण कुमार ,नशामुक्ति, केंद्र के अध्यक्ष राहुल सिंह, सचिव सुकांतो चक्रवर्ती ट्रस्टी, संजय कुमार सिंह ,सदस्य, उमेश सिंह, अर्जुन पाठक, रति सिंह, राकेश सिंह, पैरालिगल वॉलंटियर, हेमराज चौहान, गीता सिंह, अनामिका सिंह, पूजा झा, लक्ष्मी देवी, पूनम कुमारी, संध्या देवी, सविता कुमारी, सुभाष चंद्र महतो, रूपामणि, कुमारी, जयप्रकाश महतो समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे

27-06-2026 T.P. Page 4_Layout 1 27-06-2026 08:07 Page 1

15 दिनों से हाथी के आतंक में कैद मैसाड़ा, राहत मांगने पहुंचे ग्रामीण तो वन विभाग कार्यालय मिला वीरान

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

सरायकेला : सरायकेला - खरसावां जिला अंतर्गत चांडिल वन क्षेत्र के ईचागढ़ थाना अंतर्गत मैसाड़ा, बुरुहातू ,काली चामदा, बाबूचामदा आदि गांव में झुंड से बिछड़े एक जंगली हाथी का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है।पिछले 15 दिनों से हर शाम हाथी गांव में घुसकर गरीब ग्रामीणों के कच्चे मकानों को निशाना बना रहा है।घरों की दीवारें तोड़ी जा रही हैं, धान-चावल और अन्य खाद्य सामग्री को हाथी अपना आहार बना रहा है।आम और कटहल जैसे फलों के पेड़ों को भी भारी नुकसान पहुंचा रहा है।हाथी के डर से पूरा गांव रातभर जागकर पहरा देने को मजबूर है।छोटे-छोटे बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग लगातार दहशत में जी रहे हैं।लगातार हो रहे नुकसान और वन विभाग की कार्यशैली से ना-राज मैसाड़ा के सैकड़ों महिला-पुरुष शुक्रवार को करीब 40 किलोमीटर की दूरी तय कर चांडिल स्टेशन बस्ती स्थित वन विभाग कार्यालय पहुंचे।लेकिन वहां का नजारा देखकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा।कार्यालय में न तो कोई पदाधिकारी मौजूद था और न ही कोई कर्मचारी।अपनी समस्या लेकर पहुंचे ग्रामीण घंटों इंतजार करते रहे, लेकिन कोई उनकी बात सुनने तक नहीं आया।इसके बाद ग्रामीणों ने वन विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया।ग्रामीणों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि पिछले 15 दिनों से गांव का कोई भी परिवार चैन की नींद नहीं सो पाया है।हर रात हाथी के गांव में घुसने की आशंका बनी रहती है।लोग पूरी रात जागकर मशाल और पटाखों के सहारे हाथी को भगाने की कोशिश करते हैं।महिलाओं और बच्चों को घर के अंदर सहमे हुए रात गुजारनी पड़ रही है।उनका कहना है कि वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी कभी भी पूरी रात गांव में रुककर स्थिति का जायजा नहीं लेते।ग्रामीणों का आरोप है कि जब हाथी गांव में आता है तो वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर केवल औपचारिकता निभाती है।फोटो और वीडियो बनाकर कार्रवाई का दिखावा किया जाता है, लेकिन हाथी को जंगल की ओर खदेड़ने के लिए ठोस रणनीति नहीं अपनाई जाती।ग्रामीणों का कहना है कि विभाग केवल कागजी कार्रवाई में व्यस्त है, जबकि गांव के लोग अपनी जान जोखिम में डालकर रातभर हाथी से मुकाबला कर रहे हैं।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि हाथी भगाने के दौरान गांव के सैकड़ों लोग वन विभाग का सहयोग करते हैं। लेकिन रात करीब 11 बजे विभागीय टीम यह कहकर वापस लौट जाती है कि मोबिल और पटाखे खत्म हो गए हैं। इसके बाद हाथी दोबारा गांव में घुसकर और अधिक उत्पात मचाता है।ग्रामीणों का कहना है कि यदि विभाग के पास पर्याप्त संसाधन नहीं हैं तो फिर लोगों की सुरक्षा कैसे होगी।ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग की टीम हाथी को हल्का-फुल्का खदेड़कर वापस लौट आती है। इससे हाथी और अधिक आक्रामक हो जाता है तथा लौटने के बाद सीधे घरों को निशाना बनाता है।कई बार लोग घरों के अंदर दुबककर किसी तरह अपनी जान बचाते हैं।बच्चों और बुजुर्गों में हर रात भय का माहौल बना रहता है।ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि एक ओर मैसाड़ा के लोग 15 दिनों से रातभर जागकर हाथी के आतंक से जूझ रहे हैं, वहीं दूसरी ओर वन विभाग के अधिकारी और कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों से दूर नजर आ रहे हैं। ग्रामीणों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि जब उन्हें विभाग की सबसे ज्यादा जरूरत थी, तब अधिकारी उपलब्ध नहीं मिले।ग्रामीणों ने वन विभाग को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि शनिवार तक झुंड से बिछड़े हाथी को गांव से नहीं हटाया गया और स्थायी समाधान नहीं निकाला गया, तो अगले दिन सैकड़ों महिला-पुरुष वन विभाग कार्यालय पहुंचकर कार्यालय में ताला जड़ देंगे और अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू करेंगे।ग्रामीणों का कहना है कि अब वे केवल आश्वासन नहीं, बल्कि ठोस का-र्रवाई चाहते हैं।वन विभाग पर्याप्त मात्रा में पटाखा, टॉर्च, मोबिल ग्रामीणों को उपलब्ध नहीं कराती हैं।जिस कारण हाथी मानव संघर्ष की स्थिति बनी हुई रहती हैं।वन विभाग हाथी को भगाने के नाम पर सिर्फ अपना क्रोम पूरा कर रहा है। वन विभाग को जब बुलाते हैं तो पटाखा, मोबिल लेकर जाता है। 10-11 बजे मोबिल खत्म होने का बात कर वापस लौट आता है।जैसे ही वन कर्मी वहां से चला आता है उसके बाद हाथी घर तोड़ने लग जाता है।

संक्षिप्त खबरें

रेफर मरीज को नहीं मिली एंबुलेंस,पांच घंटे अस्पताल के बाहर तड़पता रहा मरीज, आखिरकार घर लौटे परिजन

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गुमला : बेहतर इलाज की उम्मीद लेकर सदर अस्पताल पहुंचे एक गंभीर मरीज को स्वास्थ्य व्यवस्था की लापरवाही का सामना करना पड़ा।चिकित्सकों द्वारा रिम्स रेफर किये जाने के बाद भी 108 एंबुलेंस समय पर उपलब्ध नहीं हो सकी। नतीजा यह हुआ कि मरीज करीब पांच घंटे तक अस्पताल परिसर में व्हीलचेयर पर इंतजार करता रहा और अंततः परिजन उसे बिना इलाज कराये वापस घर ले जाने को मजबूर हो गये। घाघरा प्रखंड के देवाकी गांव निवासी 48 वर्षीय नारायण भगत किडनी और मस्तिष्क संबंधी बीमारी से पीड़ित हैं। इसके अलावा उनकी कमर की तीन हड्डियां भी टूटी हुई हैं।उन्हें 21 जून को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दोपहर करीब तीन बजे डॉक्टरों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए रिम्स रेफर कर दिया। रेफरल के बाद परिजनों ने तत्काल 108 एंबुलेंस सेवा से संपर्क किया। परिजनों का आरोप है कि कई बार कॉल करने और लगातार अनुरोध करने के बावजूद शाम तक कोई एंबुलेंस नहीं पहुंची।कॉल सेंटर से हर बार वाहन भेजने का भरोसा दिया गया। लेकिन इंतजार ही हाथ लगी।मरीज की बेटी रेशमा कुमारी ने बताया कि उन्होंने छह बार 108 सेवा पर फोन किया। लेकिन कोई सहायता नहीं मिली।इस दौरान उनके पिता दर्द से कराहते हुए करीब पांच घंटे तक अस्पताल के बाहर व्हीलचेयर पर बैठे रहे।निजी एंबुलेंस संचालकों से संपर्क करने पर अधिक किराया मांगा गया। आर्थिक तंगी के कारण परिवार वहन नहीं कर सका।मामले की जानकारी मिलने पर सिविल सर्जन डॉ. शंभूनाथ चौधरी स्वयं अस्पताल पहुंचे और 108 एंबुलेंस के जिला प्रबंधक नवीन चंद्रा से फोन पर तत्काल वाहन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। जिला प्रबंधक ने आधे घंटे के भीतर एंबुलेंस भेजने का आश्वासन दिया।लेकिन इसके बाद भी वाहन नहीं पहुंचा।लगातार इंतजार, बढ़ती परेशानी और कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होने पर शाम करीब साढ़े सात बजे परिजन मरीज को वापस घाघरा स्थित अपने घर ले गये।

रिम्स निदेशक पद से इस्तीफा के अगले ही दिन उत्तर प्रदेश रवाना हो गए डॉ राजकुमार

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : रिम्स निदेशक पद से इस्तीफा देने के अगले ही दिन शुक्रवार को डॉ राजकुमार अपने प्रदेश रवाना हो गए।वह सुबह निदेशक कार्यालय गए और अपने सभी जिम्मेदारियों को प्रभारी निदेशक डॉ डीके सिन्हा को सौंप दिया। वहीं, निदेशक बंगला को खाली करते हुए बिल्डिंग की चाभी संबंधित कर्मचारी व अधिकारी को दे दी।इस पूरी प्रक्रिया की उन्होंने वीडियोग्राफी भी करवाई।इसके बाद वह उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के लिये निकल गए वह अपने साथ अपने बेटे को भी ले गए जिनकी न्युक्ति ट्यूटर के पर हुई है, जो विवादों के घेरे में थी।ऐसी संभावना है कि वह अपने पुत्र को रिम्स से इस्तीफा भी दिलवा दें।

रामगढ़ सड़क हादसे को लेकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने जताया शोक, मृतकों के परिजनों को हरसंभव सहायता का दिया भरोसा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : रामगढ़-बोकारो मार्ग पर लारी-बरलौंग के समीप देर रात हुए सड़क हादसे में सात लोगों की मौत पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने इस हादसे को अत्यंत दुखद बताते हुए दिवंगतों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की हैं।मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी अपने संदेश में कहा कि लारी-बरलौंग के पास हुए सड़क हादसे में सात लोगों की मौत की सूचना बेहद पीड़ादायक है। उन्होंने मरांग बुरु से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें तथा शोक संतप्त परिवारों को इस असहनीय दुख को सहने की शक्ति दें।हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य सरकार हादसे से प्रभावित परिवारों के साथ खड़ी है। उन्होंने जिला प्रशासन को राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने तथा घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। साथ ही मृतकों के परिजनों को हरसंभव सरकारी सहायता उपलब्ध कराने की बात भी कही है।

मोहर्रम को लेकर 27 जून को बंद रहेंगे सभी स्कूल

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रांची : मोहर्रम के अवसर पर 27 जून (शनिवार) को राँची जिले के सभी सरकारी, निजी, सहायता प्राप्त और गैर-सरकारी स्कूल बंद रहेंगे। जिला प्रशासन ने यह फैसला ताजिया और अखाड़ा जुलूस के दौरान कई इलाकों में यातायात प्रभावित होने और स्कूली बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया है।जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री के निर्देश पर जिले के सभी स्कूलों में एक दिन का अवकाश घोषित किया गया है।हालांकि, जिन स्कूलों में पहले से परीक्षा निर्धारित है, वे केवल विशेष परिस्थिति में जिला शिक्षा पदाधिकारी को पहले सूचना देकर परीक्षा आयोजित कर सकते हैं। जिला प्रशासन ने सभी स्कूल प्रबंधन, अभिभावकों और आम लोगों से सहयोग की अपील की है।प्रशासन ने कहा है कि मोहर्रम का पर्व शांति, सौहार्द और आपसी भाईचारे के साथ मनाया जाए।

टाटा मोटर्स प्लांट में 28 जून रविवार को होगा कामकाज, सर्कुलर जारी

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पूर्वी सिंहभूम : टाटा मोटर्स जमशेदपुर प्लांट में 28 जून 2026 (रविवार) को कामकाज होगा।इस संबंध में प्लांट हेड के आदेश से शुक्रवार को सर्कुलर जारी किया गया। सर्कुलर के अनुसार वर्तमान व्यावसायिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है। आदेश के तहत जनरल ऑफिस सहित सभी डि-वीजनों, विभागों और उनकी संबद्ध सेवाओं को रविवार, 28 जून को सामान्य दिनों की तरह खुला रखने और काम करने का निर्देश दिया गया है।रविवार को काम करने के बदले कर्मचारियों को मिलने वाले कंपनसेटरी ऑफ को लेकर प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि इसकी जानकारी कर्मचारियों को बाद में दी जायेगी।सभी डिवीजनल और डिपार्टमेंटल हेड्स को निर्देश दिया गया है कि वे अपनी आवश्यकताओं के अनुसार कॉमन सर्विसेज की गतिविधियों का समन्वय करें और जरूरी दिशा-निर्देश जारी करें।

मोदी सरकार की गरीब कल्याण योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान:आदित्य साहू

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

पश्चिमी सिंहभूम : भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान के अंतर्गत जिला प्रि-शक्षण वर्ग में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का मूल उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने गरीब, किसान, महिला, युवा, आदिवासी एवं वंचित वर्ग के उत्थान के लिए अनेक ऐतिहासिक योजनाएं संचालित की हैं।उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम किसान सम्मान निधि, जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, जनधन योजना सहित केंद्र सरकार की सभी गरीब कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी घर-घर तक पहुंचाएं, ताकि प्रत्येक पात्र व्यक्ति इन योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सके।उन्होंने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के विचार को साकार करने के लिए भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण के संकल्प के साथ कार्य कर रहा है।प्रि-शक्षण वर्ग का उद्देश्य कार्यकताओं को वैचारिक रूप से सशक्त बनाना तथा संगठन को और अधिक मजबूत करना है।इस अवसर पर कार्यकताओं ने संगठन की मजबूती एवं सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया।प्रशिक्षण वर्ग के द्वितीय सत्र में प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद ने पार्टी का इतिहास एवं विकास विषय पर विस्तारपूर्वक मार्गदर्शन दिया।उन्होंने भारतीय जनता पार्टी की स्थापना, वैचारिक आधार, संगठनात्मक विकास तथा राष्ट्र निर्माण में पार्टी की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित संगठन है, जिसकी सबसे बड़ी ताकत उसकी विचारधारा, अनुश-ासन एवं सेवा भाव है।उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद को पार्टी की वैचारिक प्रेरणा बताते हुए कहा कि भाजपा का लक्ष्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास का लाभ पहुंचाना है।उन्होंने कार्यकताओं से संगठन के इतिहास, सिद्धांतों एवं नीतियों को आत्मसात कर जन-जन तक पार्टी की विचारधारा और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने का आह्वान किया. सत्र के दौरान कार्यकताओं के प्रश्नों का भी विस्तार से उत्तर दिया गया तथा संगठन के विस्तार एवं भविष्य की कार्ययोजना पर सार्थक चर्चा हुई।पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने कहा कि प्रि-शक्षण वर्ग कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा से जोड़ने का सशक्त माध्यम है।उन्होंने कहा कि प्रशिक्षित एवं जागरूक कार्यकर्ता ही संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।पूर्व स-ांसद सह प्रदेश उपाध्यक्ष गीता कोड़ा ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता समाज सेवा की भावना के साथ जनता के बीच जाकर केंद्र स-रकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य करे। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती ही जनसेवा की सबसे बड़ी ताकत है।भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. विजय सिंह गागराई ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय दर्शन भाजपा की कार्यशैली का मूल आधार है।उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन की विचारधारा एवं नीतियों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने तथा सेवा भाव के साथ कार्य करने का आह्वान किया।कार्यक्रम के पूर्व मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम किया गया।कार्यक्रम का संचालन महामंत्री तिरथ जामुदा ने किया। इस मौके पर मुख्य रूप से पूर्व विधायक शशिभूषण सामड, मालती गिलुआ, कोषाध्यक्ष सुरेश साव, महामंत्री तीरथ जामुदा, कुश पूर्ति,राजेन्द्र मछुआ, सुशांत कुमार मंडल, शिवलाल रवानी, टिलु सिंह, दीपक महतो सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिका-री एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बोकारो ट्रेजरी घोटाला : 23 माह में एसआइ के वेतन मद में तीन करोड 15 लाख निकाला

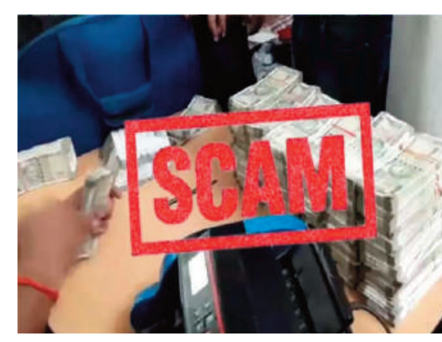

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

बोकारो : बोकारो ट्रेजरी घोटाला (पुलिस वेतन मद में छह अप्रैल) में सीआ-इडी जांच के दौरान रोजाना नया खुलासा हो रहा है। अब तक सीआ-इडी जांच में पता चला है कि एसबीआइ के चार खातों में तीन करोड से अधिक का ट्रांजेक्शन वेतन मद में किया गया है।बोकारो एसपी कार्यालय के अकाउंट्स सेक्शन में कार्यरत आरोपी एएसआइ अशोक कुमार भंडारी ने बोकारो ट्रेजरी से 23 महीनों में एक सब-इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह के वेतन मद में तीन करोड 15 लाख रुपये की निकासी की। सीआइडी ने घोटाले की छानबीन तेज कर दी।सीआइडी को जांच के दौरान ट्रेजरी ऑफिस के रिकॉर्ड की जांच में पता चला है कि वित्तीय वर्ष 2024-26 के दौरान मई 2024 से लेकर मार्च 2026 तक (23 महीने) पुलिस सब-इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह के नाम पर एसबीआई बैंक की चास शाखा के खाता संख्या 42945898462 में वेतन मद से लगातार भारी-भरकम राशि ट्रांसफर की जा रही थी। जब ट्रेजरी विभाग ने लगातार ट्रांजेक्शन होनेवाले संदिग्ध खाता के संबंध में लिखित रूप में जानकारी मांगी। इसके बाद चौकाने वाला मामला सामने आया।पता चला कि ट्रांजेक्शन हो रहा खाता सब-इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह का नहीं, बल्कि अकाउंट सस्पेंड अकाउंटेंट कौशल पांडेय की पत्नी अन्नू पांडेय का है।जांच में पता चला कि अन्नू पांडेय के खाते में आनेवाली सरकारी राशि का एक बड़ा हिस्सा कौशल कुमार पांडेय के बैंक खाता संख्या 0033137178417 में ट्रांसफर कर दिया जाता था।इसके बाद इस घोटाले की रकम को आगे खपाया जाता था। कौशल कुमार पांडेय के खाते से कुल 42 लाख रुपये की बड़ी रकम सह-आरोपी अशोक कुमार भंडारी के दो अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर की गई थी। यह पैसा अशोक भंडारी के खाता संख्या 10048586189, 33888406018 व 888406018 में जाता था।सीआइडी जांच में लगातार कई चौकाने वाली जानकारी जांच टीम को हासिल हो रही है।फिलहाल बोकारो ट्रेजरी घोटाले में मुख्य आरोपी (एसपी कार्यालय का ससपेंड अकाउंटेंट) कौशल पांडेय, एएसआइ अशोक भंडारी, होमगार्ड जवान सतीश कुमार, आरक्षी काजल मंडल जेल में है।मामले में सीआइडी के अलावे स्थानीय स्तर पर जांच टीम भी मामले की जांच कर रही है।

सच्चिदानंद मंदिर और झरहिया बाबाधाम को मिला पर्यटन स्थल का दर्जा

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

गिरिडीह : गिरिडीह जिले के धनवार प्रखंड के धार्मिक व सांस्कृतिक महत्व वाले दो प्रमुख स्थलों-ग्राम पंचायत मकडीहा स्थित श्री सच्चिदानंद मंदिर तथा गुणडरी पंचायत के ग्राम तारानाखो में खोरीमहुआ जमुआ मुख्य मार्ग पर अवस्थित झरहिया बाबाधाम को पर्यटन विभाग ने पर्यटक स्थल के रूप में सूचीबद्ध किया है।इस निर्णय से न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। इस दिशा में भाजपा नेता रौशन कुमार सिंह ने वर्ष 2024 में तत्कालीन केंद्रीय महिला व बाल विकास मंत्री तथा कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी को ज्ञापन सौंपकर दोनों स्थलों को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने की मांग की थी। इसके बाद केंद्रीय मंत्री के स्तर से गिरिडीह जिला प्रशासन को आवश्यक कार्रवाई के लिए पत्र भेजा गया।गिरिडीह जिला पर्यटन संवर्धन परिषद की बैठक में प्रस्ताव पारित कर दोनों धार्मिक स्थलों को पर्यटक स्थल के रूप में अधिसूचित किए जाने को लेकर राज्य सरकार को अनुशंसा भेजी गई। तत्पश्चात इन स्थलों को पर्यटन विभाग की सूची में शामिल किए जाने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया।स्थानीय लोगों का कहना है कि श्री सच्चिदानंद मंदिर और झरहिया बाबाधाम वर्षों से श्रद्धालुओं की आस्था के प्रमुख केंद्र रहे हैं।

चतरा में बंद पड़े पत्थर माइंस से अज्ञात महिला का शव बरामद

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

चतरा : चतरा जिले के हंटरगंज प्रखंड के नावाडीह पनारी पंचायत अंतर्गत जाजलो बाजार स्थित एक बंद पड़े पत्थर के माइंस से पुलिस ने शुक्रवार की सुबह एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया है।माइंस के पानी में महिला का शव तैरता मिलने के बाद पूरे इलाके में कौतूहल का माहौल है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को जब स्थानीय ग्रामीण रोजाना की तरह शौच के लिए माइंस की तरफ गए, तो उनकी नजर पानी में तैरते हुए एक शव पर पड़ी।शव को देखते ही ग्रामीणों ने इसकी सूचना तुरंत स्थानीय हंटरगंज थाना पुलिस को दी।सूचना मिलते ही हंटरगंज थाना प्रभारी प्रभात कुमार पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और स्थानीय ग्रामीणों से पूछताछ कर घटना के संबंध में आवश्यक जानकारी जुटाई।इसके बाद पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर कागजी कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल, चतरा भेज दिया है।स्थानीय ग्रामीणों का अनुमान है कि महिला की हत्या कहीं और की गई है और साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को इस बंद माइंस में फेंक दिया गया। ग्रामीणों के मुताबिक, शव पानी में पूरी तरह फूल चुका है, जिससे अंदेशा लगाया जा रहा है कि यह घटना दो से चार दिन पुरानी हो सकती है।यह माइंस पिछले 20 वर्षों से पूरी तरह बंद पड़ा है और इसमें काफी गहरा पानी भरा हुआ है।चतरा का यह इलाका बिहार-झारखंड की सीमा के बेहद करीब है। ऐसे में पुलिस को यह भी आशंका है कि किसी ने बिहार की तरफ महिला की हत्या की हो और शव को ठिकाने लगाने के लिए झारखंड की सीमा में स्थित इस सुनसान माइंस का इस्तेमाल किया हो।

मृतकों के शव पहुंचते ही चीख पुकार से गूंजा मारंगमरचा, आक्रोशित ग्रामीणों ने किया एनएच जाम

ट्रूथ पथ प्रतिनिधि

रामगढ़ : रामगढ़-बोकारो मार्ग के बारलोंग गांव के समीप 25 जून की देर रात हुए हृदय विदारक घटना में एक साथ आठ लोगों की जान चली गयी। मृतकों में रजरप्पा थाना क्षेत्र के मारंगमरचा गांव के छह लोग अशोक डोम (43 वर्ष), शक्ति राम (35 वर्ष) दोनों के पिता स्व गलू डोम, पप्पू करमाली (18 वर्ष) पिता दिलीप करमाली, डेविड करमाली (28 वर्ष) पिता अमित करमाली, पवन कुमार करमाली (27 वर्ष) पिता स्व लखी करमाली, अनोद कुमार (31 वर्ष) पिता घुनाराम महतो एवं बलसगरा कथेरवा निवासी पिकअप (सवारी वाहन) चालक हेमंत कुमार महतो (28 वर्ष) पिता सोहन महतो एवं मनीष कुमार (22 वर्ष) पिता श्रीकांत महतो है। श-क्रवार को पोस्टमार्टम के बाद मृतकों के शव जैसे ही मारंगमरचा गांव पहुंचा।पूरा क्षेत्र ग्रामीणों के चीख पुकार से गूंज उठा. परिजनों और आक्रोशित ग्रामीणों ने मुअ-ावजा की मांग को लेकर सभी के शव को एनएच-23 स्थित मारंगमरचा के समीप रख कर सड़क को जाम कर दिया। जिससे यहां दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गयी।

उधर, रामगढ़ विधायक ममता देवी, कांग्रेस नेता शहजादा अनवर, भाजपा के जिला सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल, आजसू जिलाध्यक्ष दिलीप दांगी, पीयूष चौधरी, जेएलकेएम नेता पनेश्वर महतो, संतोष महतो सहित कई पहुंचे और ग्रामीणों को मुआवजा दिलाने की मांग की। घटना की सूचना मिलने पर रामगढ़ एसडीओ कृष्ण मुरारी तिर्की, एसडीपीओ गोपनीय प्रभारी रवींद्र गुप्ता, एसडीपीओ आलोक रंजन, सीओ दीपक मिंज सहित पुलिस के कई अधिकारी पहुंचे और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया. लेकिन ग्रामीण अपने मांग पर अड़े रहे।रामगढ़ उपायुक्त ऋतुराज, एसपी मुकेश कुमार लूणायत, डीटीओ राजेश एक्का समेत कई अधिकारी घटना स्थल पर पहुंचे।अधिकारियों ने यहां तकनीकी खामियों का जायजा लिया। उपायुक्त ने एनएचएआई के इंजीनियर को कई महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिया।

संक्षिप्त खबरें

ट्रेन की चपेट में आने से गधे की मौत से परिचालन बाधित रही

गया जी (एजेंसी) : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया-कोडरमा रेल सेक्शन के मानपुर स्टेशन के एडवांस स्टार्टर सिग्नल के पास पर गुरुवार की देर रात एक मवेशी (गधा) ट्रेन की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौके पर ही कटकर मौत हो गई। घटना के कारण रेल परिचालन करीब 75 मिनट तक बाधित रहा और कई ट्रेनों को विभिन्न स्टेशनों पर रोकना पड़ा।जानकारी के अनुसार देर रात पारसनाथ एक्सप्रेस जब मानपुर स्टेशन की ओर बढ़ रही थी तभी लोको पायलट ने ट्रैक पर एक गधे को देखा। ट्रेन की चपेट में आने से मवेशी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद लोको पायलट ने तत्काल स्टेशन मास्टर और रेल नियंत्रण कक्ष को इसकी सूचना दी जिसके बाद सुरक्षा और इंजीनियरिंग विभाग की टीम मौके पर पहुंची।मवेशी के ट्रैक पर कट जाने के कारण रेल मार्ग बाधित हो गया। इस दौरान धनबाद-फिरोजपुर गंगा सतलज एक्सप्रेस सहित कुछ ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहा। ट्रैक पर मवेशी के शरीर होने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से ट्रेनों का संचालन अस्थायी रूप से रोक दिया गया था।

रेलवे कर्मियों ने आवश्यक सुरक्षा प्रक्रिया पूरी करते हुए ट्रैक की जांच की और मवेशी के अवशेषों को हटाने का कार्य शुरू किया। इससे यात्रियों को कुछ समय तक असुविधा का सामना करना पड़ा।

रेलवे के अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि रात करीब एक बजे ट्रैक से कटे हुए मवेशी को हटाकर लाइन को पूरी तरह सुरक्षित घोषित किया गया। इसके बाद रेल परिचालन को सामान्य कर दिया गया और रुकी हुई ट्रेनों को क्रमवार उनके गंतव्य की ओर रवाना किया गया।

लोधवे के लोदीचक के पास मिला अज्ञात व्यक्ति का शव, जांच में जुटी पुलिस

मृतक की पहचान नहीं होने से रहस्य बरकरार, शिनाख्त के लिए पुलिस की सरगर्मी तेज

अत्यधिक गर्मी व लू से मौत की आशंका, पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

फतेहपुर (गया जी) (एजेंसी) : फतेहपुर थाना क्षेत्र के लोधवे स्थित लोदीचक के समीप शुक्रवार की शाम एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे शव पड़े होने की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही फतेहपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। शव के पास से कोई ऐसा दस्तावेज या सामान बरामद नहीं हुआ है, जिससे उसकी शिनाख्त हो सके। प्रारंभिक जांच में अत्यधिक गर्मी और लू लगने से व्यक्ति की मौत होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा।फतेहपुर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए गया भेज दिया है। साथ ही मृतक की पहचान और घटना से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर मृतक के संबंध में जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है।

फतेहपुर के नई दुनिया टांड़ से पुलिस ने 450 लीटर महुआ शराब व तीन बाइक की जब्त

पुलिस को देखते ही तस्कर जंगल का सहारा लेकर मौके से हुआ फरार

जब्त बाइकों के चोरी के होने की आशंका, जांच शुरू

फतेहपुर (गया जी)(एजेंसी) : फतेहपुर थाना क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने शुक्रवार की सुबह 450 लीटर महुआ शराब और तीन मोटरसाइकिल जब्त की है। हालांकि पुलिस टीम को देखते ही तस्कर मौके से फरार होने में सफल रहे। थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर मनोज कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि नई दुनिया टांड़ के समीप झारखंड से अवैध शराब की खेप लाई गई है। सूचना के आधार पर एलटीएफ प्रभारी जाहिनिसार अख्तर, एसआई अमरेंद्र कुमार और एसआई मनोज कुमार की टीम ने छापेमारी की गई। पुलिस दल को पहुंचते देख तस्कर शराब और तीन बाइक छोड़कर जंगल की ओर भाग निकले। बाइकों पर बंधे सभी छह बोरों की जांच करने पर उसमें से 450 लीटर महुआ निर्मित शराब बरामद हुआ। पुलिस ने बरामद बाइकों को जब्त कर उनकी जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में बाइकों के चोरी के होने की आशंका जताई जा रही है। फरार तस्करों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की जिला बैठक आयोजित

समस्तीपुर (एजेंसी) : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद समस्तीपुर जिला की जिला बैठक आज आयोजित की गई।

बैठक में आगामी स्थापना दिवस, सदस्यता अभियान, भगिनी निवेदिता व्यक्तित्व विकास शिविर समापन समारोह, शैक्षणिक समस्याओं के समाधान हेतु आंदोलन तथा केएसआर महाविद्यालय बचाओ आंदोलन सहित विभिन्न संगठनात्मक एवं छात्रहित के विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए आगामी कार्ययोजना तैयार की गई।बैठक की अध्यक्षता जिला संयोजक केशव माधव ने की।

प्रांत सहमंत्री अनुपम कुमार झा ने कहा, ₹अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अपने स्थापना दिवस के अवसर पर कला उत्सव आयोजित करेगी साथ ही सात दिनों तक विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, साथ ही इस वर्ष व्यापक सदस्यता अभियान चलाएगी जिसमें 25000 सदस्य बनाने का लक्ष्य है।उन्होंने आगे कहा कि संगठन का उद्देश्य अधिक से अधिक युवाओं को राष्ट्रहित, शिक्षा और सामाजिक उत्तरदायित्व से जोड़ना है। साथ ही शैक्षणिक समस्याओं के समाधान एवं छात्रों के अधिकारों की रक्षा के लिए परिषद चरणबद्ध आंदोलन को और तेज करेगी।₹प्रांत फार्मविजन सह संयोजक सिंटू पांडेय ने कहा, ₹छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए भगिनी निवेदिता व्यक्तित्व विकास शिविर जैसे कार्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। परिषद शिक्षा के साथ-साथ नेतृत्व क्षमता, सामाजिक चेतना और राष्ट्रभक्ति के संस्कार विकसित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। केएसआर महाविद्यालय को बचाने की लड़ाई भी पूरी मजबूती से जारी रहेगी।प्रांत सह छात्रा प्रमुख शालू कुमारी ने कहा, अभाविप छात्राओं की शिक्षा, सुरक्षा और नेतृत्व विकास को प्राथमिकता देती है। सदस्यता अभियान एवं आगामी कार्यक्रमों में छात्राओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, ताकि अधिक से अधिक युवतियाँ संगठन से जुड़कर समाज और राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभा सकें।₹

बिहार की उच्च शिक्षा में बड़े बदलाव की तैयारी, विश्वविद्यालयों के लिए बनेगा नया कानून, शोध और डिजिटल सुधार को मिलेगी रफ्तार

पटना, (एजेंसी) : बिहार की उच्च शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण बनाने की दिशा में शुक्रवार को लोक भवन में राज्यपाल-सह-कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन की अध्यक्षता में शुक्रवार को उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उच्च शिक्षा मंत्री संजय सिंह टाइगर समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान उच्च शिक्षा में व्यापक सुधार, शोध को बढ़ावा देने और प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में शोध एवं अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कुलाधिपति पोस्ट-डॉक्टोरल फेलोशिप, मुख्यमंत्री शोध अनुदान योजना और मुख्यमंत्री शोध छात्रवृत्ति योजना के प्रस्ताव पर सहमति बनी। साथ ही सभी विश्वविद्यालयों को 30 सितंबर 2026 तक लंबित डिग्रियों का निष्पादन करने का निर्देश दिया गया। बैठक में यह भी फैसला लिया गया कि बिहार के विश्वविद्यालयों के लिए एक नया अधिनियम तैयार किया जाएगा, जो अन्य राज्यों और केंद्रीय विश्वविद्यालयों की श्रेष्ठ व्यवस्थाओं पर आधारित होगा। इसके लिए 15

राज्यों के विश्वविद्यालय अधिनियमों का अध्ययन कर व्यापक प्रस्ताव तैयार किया गया है। डिजिटल प्रशासन को मजबूत करने के लिए राज्यपाल ने सभी विश्वविद्यालयों को 31 दिसंबर 2026 तक समर्थ पोर्टल के लेखा एवं वित्त, कर्मचारी सेवाएं और अकादमिक सहित सभी 26 मॉड्यूल पूरी तरह लागू करने का निर्देश दिया। फिलहाल राज्य के सभी विश्वविद्यालयों में नामांकन की प्रक्रिया समर्थ पोर्टल के माध्यम से संचालित की जा रही है। बैठक में नवसृजित 211 राजकीय डिग्री महाविद्यालयों के लिए संविदा आधारित सहायक प्राध्यापकों की केंद्रीकृत नियुक्ति प्रक्रिया पर भी चर्चा हुई। बताया गया कि चयन प्रक्रिया को इस तरह तैयार किया गया है, जिससे योग्य और समर्पित शिक्षकों की नियुक्ति सुनिश्चित हो सके। साथ ही प्रत्येक उच्च शिक्षण संस्थान में हर वर्ष कम-से-कम एक फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम आयोजित करना अनिवार्य होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन, स्नातकोत्तर के 43 विषयों के नए पाठ्यक्रमों के अनुमोदन, डिजिटल शैक्षणिक पहल और राष्ट्रीय अकादमिक डिपॉजिटरी जैसी योजनाओं की भी समीक्षा की गई। प्रशासनिक व्यवस्था में अनुशासन लाने के लिए शिक्षकों एवं कर्मचारियों के स्थानांतरण संबंधी नियम भी तय किए गए। अब सामान्य स्थानांतरण केवल जून माह में होंगे, जबकि विशेष परिस्थितियों में ही कुलाधिपति की पूर्व अनुमति से स्थानांतरण किया जा सकेगा। शिक्षकों की पदोन्नति के लिए भी समय-सीमा निर्धारित करने का निर्णय लिया गया। बैठक में शोधार्थियों और शिक्षकों के लिए एक समर्पित एवं आधुनिक कुलाधिपति पुस्तकालय स्थापित करने के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई, जिससे उन्हें उच्च गुणवत्ता वाले शोध संसाधनों तक बेहतर पहुंच मिल सके। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राज्यपाल की उच्च शिक्षा सुधार संबंधी पहलों की सराहना करते हुए कहा कि इन फैसलों से बिहार की उच्च शिक्षा व्यवस्था अधिक पारदर्शी, तकनीक-सक्षम और छात्र-केंद्रित बनेगी। बैठक में राज्यपाल सचिवालय, मुख्यमंत्री कार्यालय और उच्च शिक्षा विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

बिहार में 90 अंचलाधिकारियों का तबादला, जून में अब तक 150 सीओ बदले, राजस्व विभाग ने जारी की नई सूची

पटना, (एजेंसी) : बिहार सरकार ने प्रशासनिक फेरबदल के तहत एक बार फिर बड़े पैमाने पर अंचलाधिकारियों (सीओ) का तबादला किया है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार राज्य के 90 सर्किल ऑफिसरों का स्थानांतरण किया गया है। जून माह में विभागीय तबादला नीति के तहत यह कार्रवाई की गई है, जबकि 30 जून तक विभिन्न विभागों में और भी तबादले होने की संभावना है। जारी सूची में पूजा कुमारी, संजीव कुमार, सतेन्द्र कुमार, राकेश शर्मा, राजेश कुमार, कुमार शिवम, श्रीनिवास कुमार सिंह, शम्मी कुमार, कुमारी सरिता रानी, अंकुर राय, सुभाग्य, सुमधुनिता कुमारी, सुनील कुमार, आदर्श गौतम, रंजीत कुमार, रंजन कुमार बैठा, अजय कुमार रंजन, सुमन सौरभ, सतीश कुमार गुप्ता, डेजी सिंह, सुसलोनी करण, मनोरंजन शुक्ला, उमा कुमारी, आशीष कुमार, अभिनव राज, अजीत कुमार, रकिश आनंद और पूनम भारती समेत कई अधिकारियों के नाम शामिल हैं। इसके अलावा विवेक कुमार, निरंजन सुमन, विकेश कुमार, हिन्दुजा भारती श्री, मो. अमीर हुसैन, सदानंद कुमार, विशाल अग्रवाल, गोपाल कुमार, लखेन्द्र कुमार, सुप्रीति कुमारी, पुष्कल कुमार, गौतम कुमार, धीरज कुमार, रूपम शर्मा, मणिकांत कुमार, विनीत व्यास, चंदन चौधरी, कौशल कुमार, प्रभाष कुमार, अंशु कुमार, दिलीप कुमार, रवि कुमार, आदित्य शंकर, मो. जमशेद, अभिषेक आनंद, संतोष कुमार, विवेक कुमार सिंह, सुप्रिया आयार्णी, रवि शेखर, सर्वेश कुमार सिन्हा, गीता कुमारी, अविनाश कुमार, आशीष आनंद, उदयन सिंह, पूनम दीक्षित और मनीष कुमार सहित अन्य अधिकारियों का भी स्थानांतरण किया गया है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने जून माह में अब तक कुल 150 अंचलाधिकारियों का तबादला किया है। इससे पहले विभाग ने 60 सीओ का स्थानांतरण किया था। दरअसल मुख्यमंत्री रहते हुए नीतीश कुमार ने विभागीय स्तर पर जून महीने में नियमित तबादलों की व्यवस्था लागू की थी, जिसे वर्तमान सरकार भी जारी रखे हुए है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग लंबे समय से तबादलों को लेकर चर्चा में रहा है। पूर्व में कई बार तबादलों को लेकर विवाद भी सामने आए थे और मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से कुछ आदेशों पर रोक भी लगाई गई थी। वर्तमान में यह विभाग भाजपा के पास है और इसके मंत्री दिलीप जायसवाल हैं। सरकार का कहना है कि इस फेरबदल का उद्देश्य प्रशासनिक कार्यों को अधिक प्रभावी और सुचारु बनाना है।

बीपीएससी 70वीं परीक्षा में किशनगंज की बहू अंजलि बनी एसडीएम

किशनगंज, (एजेंसी) : बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) की 70वीं संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा में किशनगंज की बहू अंजलि कुमारी ने शानदार सफलता हासिल करते हुए पूरे राज्य में 223वीं रैंक प्राप्त की है।

इस उपलब्धि के साथ उनका चयन अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीएम) के पद पर हुआ है। उनकी सफलता से परिवार के साथ-साथ पूरे जिले में खुशी और उत्साह का माहौल है। अंजलि कुमारी शहर के रुईधासा निवासी सुरेंद्र चौरसिया की बहू एवं मंथन चौरसिया की पत्नी हैं।

परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद पहली बार किशनगंज पहुंचने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों, शुभचिंतकों और स्थानीय लोगों ने ढोल-नगाड़ों, फूल-मालाओं और गुलदस्तों के साथ उनका अभिनंदन किया।इस दौरान पूरे इलाके में जश्न जैसा माहौल देखने को मिला। अपनी सफलता पर अंजलि कुमारी ने इसका श्रेय अपने माता-पिता, पति और ससुराल परिवार को दिया।

उन्होंने कहा कि विवाह के बाद एक बहू के रूप में पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करना आसान नहीं था। हालांकि परिवार के निरंतर सहयोग, विश्वास और अपने दृढ़ संकल्प के बल पर उन्होंने इस लक्ष्य को हासिल किया। उन्होंने कहा कि किशनगंज के लोगों से मिले स्नेह और सम्मान ने उनकी जिम्मेदारियों को और बढ़ा दिया है।

प्रशासनिक सेवा में रहते हुए उनकी प्राथमिकता समाज के अंतिम पायदान पर खड़े जरूरतमंद लोगों

अंतरराष्ट्रीय नशा विमुक्ति दिवस पर भीमनगर में जागरूकता अभियान

सुपौल, (एजेंसी) : अंतरराष्ट्रीय नशा विमुक्ति दिवस के अवसर पर भारत-नेपाल अंतरराष्ट्रीय सीमा स्थित भीमनगर में बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस (बीएसएपी) की 12वीं और 15वीं बटालियन द्वारा नशा मुक्ति जागरूकता अभियान चलाया गया।

शुक्रवार सुबह प्रभातफेरी और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया गया।नशा मुक्ति जागरूकता प्रभातफेरी की शुरूआत बीएसएपी बटालियन मुख्यालय से हुई। प्रभातफेरी भीमनगर पुरानी चौक, कस्टम कार्यालय, थाना मार्ग और नया बाजार होते हुए सहरसा चौक तक पहुंची। इस दौरान जवानों ने नशा विरोधी नारे लगाते हुए लोगों से नशे से दूर रहने और दूसरों को भी जागरूक करने की अपील की।

अभियान के दौरान स्थानीय लोगों ने भी बढ़-चढ़कर रुचि दिखाई और नशामुक्त समाज के संकल्प का समर्थन किया।सहरसा चौक पर बीएसएपी की महिला जवानों ने प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। नाटक में नशे की लत से होने वाले सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों को जीवंत तरीके से दर्शाया गया।महिला जवानों ने संदेश दिया कि नशा केवल एक व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है।

नुक्कड़ नाटक को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुटे और कलाकारों के संदेश की सराहना की।इस अवसर पर बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस के डीएसपी वासुदेव राय ने कहा कि इस प्रभातफेरी का मुख्य उद्देश्य लोगों के बीच नशा मुक्ति का संदेश पहुंचाना और उन्हें इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना है।उन्होंने कहा कि नशे की वजह से जनहानि, सामाजिक विघटन और पारिवारिक समस्याएं बढ़ती हैं।

साथ ही नशे की लत कैंसर सहित कई गंभीर बीमारियों को जन्म देती है। इसलिए समाज को नशामुक्त बनाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति की सहभागिता और जागरूकता आवश्यक है।

कार्यक्रम में बीएसएपी की 12वीं और 15वीं बटालियन के अधिकारियों, प्रशिक्षु जवानों, महिला जवानों और अन्य कर्मियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। अभियान के माध्यम से लोगों को स्वस्थ, सुरक्षित और नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित किया गया।

सद्गुरु जग्गी वासुदेव पटना तीन दिवसीय दौरे पर पटना पहुंचे, मुख्यमंत्री ने किया स्वागत

पटना, (एजेंसी) : आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु जग्गी वासुदेव शुक्रवार शाम तीन दिवसीय बिहार दौरे पर पटना पहुंचे। राजधानी पहुंचने के बाद उन्होंने मुख्यमंत्री आवास में बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने सद्गुरु का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत किया और मुलाकात को आत्मीय, प्रेरणादायी तथा सार्थक बताया।

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि बैठक के दौरान बिहार की समृद्ध सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ-साथ जनकल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि सद्गुरु के विचार समाज में सकारात्मक परिवर्तन, नैतिक मूल्यों के संवर्धन और जनजागरण के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि ऐसे संवाद समाज के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बैठक के दौरान बिहार में ईशा फाउंडेशन की ओर से संचालित सामाजिक, पर्यावरणीय और जनहित से जुड़े कार्यों की भी समीक्षा की गई। साथ ही राज्य में भविष्य में संचालित की जाने वाली विभिन्न परियोजनाओं पर विचार-विमर्श हुआ। पर्यावरण संरक्षण, जल एवं प्राकृतिक संसाधनों के संवर्धन, आध्यात्मिक जागरूकता, जनभागीदारी तथा नागरिक सुविधाओं से जुड़े कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने के विषय पर भी चर्चा की गई।

सद्गुरु जग्गी वासुदेव का यह बिहार का पहला प्रमुख सार्वजनिक दौरा है, जो 26 जून से 28 जून तक चलेगा। इस दौरान वह राज्य सरकार के प्रतिनिधियों, विभिन्न सामाजिक संगठनों, शिक्षाविदों, युवाओं तथा ईशा फाउंडेशन के स्वयंसेवकों के साथ संवाद करेंगे। इसके अलावा आध्यात्मिक जीवन, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक सहभागिता जैसे विषयों पर भी अपने विचार साझा करेंगे।

दौरे का मुख्य आकर्षण 27 जून की शाम आयोजित होने वाला 'एन इवनिंग विद सद्गुरु' कार्यक्रम होगा। राजधानी के बापू सभागार में शाम 6:30 बजे से आयोजित होने वाले इस सार्वजनिक सत्संग में बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम के लिए पूर्व पंजीकरण अनिवार्य किया गया है और आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

ईशा फाउंडेशन के प्रतिनिधियों के अनुसार, कार्यक्रम में 15 वर्ष या उससे

सुपौल में 29 नए पीडीएस डीलरों को मिला लाइसेंस, डीएम ने पारदर्शी वितरण सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

सुपौल, (एजेंसी) : जिले की जनवितरण प्रणाली (पीडीएस) को अधिक सुदृढ़ और प्रभावी बनाने की दिशा में प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल की है।

समाहरणालय परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी सावन कुमार और अपर समाहर्ता सच्चिदानंद सुमन ने 29 नवनियुक्त जनवितरण प्रणाली विक्रेताओं को अनुज्ञप्ति (लाइसेंस) प्रदान किया।नवनियुक्त डीलरों में वीरपुर अनुमंडल के 14 और सुपौल अनुमंडल के 15 विक्रेता शामिल हैं।

इस अवसर पर अधिकारियों ने सभी नवचयनित विक्रेताओं को नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं देते हुए ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ कार्य करने की अपील की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधिकारियों ने कहा कि 29 नए पीडीएस विक्रेताओं के जुड़ने से जिले की जनवितरण प्रणाली को मजबूती मिलेगी। इससे लाभुकों तक खाद्यान्न वितरण की प्रक्रिया में तेजी आएगी और लोगों को योजनाओं का लाभ अधिक सुगमता से मिल सकेगा।

जिलाधिकारी सावन कुमार ने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सभी पीडीएस विक्रेता सरकारी नियमों और निर्धारित मानकों का अक्षरशः पालन करें। उन्होंने वितरण प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता, जवाबदेही और ईमानदारी बनाए रखने पर विशेष जोर दिया।

डीएम ने कहा कि जनवितरण प्रणाली सरकार की एक महत्वपूर्ण कल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद परिवारों तक समय पर खाद्यान्न पहुंचाना है।

उन्होंने दोहराया कि किसी भी पात्र लाभुक को उसके अधिकार से वंचित नहीं किया जाना चाहिए और सभी डीलर यह सुनिश्चित करें कि खाद्यान्न वितरण निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से हो।

गुजरात के ऐतिहासिक मकबरे की झलक लिए पीपरा का ताजिया बना मुहर्रम की शान

दो माह की मेहनत और दो लाख की लागत से तैयार हुआ आकर्षक ताजिया

25 वर्षों से पुश्तैनी परंपरा को सहेज रहे हैं डॉ. सलीम कमर

फतेहपुर (गया जी) (एजेंसी) : फतेहपुर प्रखंड की पहाड़पुर पंचायत स्थित पीपरा गांव में इस वर्ष मुहर्रम के अवसर पर तैयार किया गया अनूठा ताजिया क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र बना रहा। गुजरात के प्रसिद्ध ऐतिहासिक मकबरे की तर्ज पर निर्मित इस ताजिया की भव्यता और कलात्मक सज्जा ने लोगों का मन मोह लिया। दूर-दराज के गांवों से भी लोग इस ताजिया को देखने पहुंचे।मुहर्रम के अवसर पर जब ताजिया पहलाम के लिए निकाला

गया और विभिन्न गांवों में भ्रमण कराया गया, तब इसे देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। फतेहपुर प्रखंड क्षेत्र में अपनी विशिष्ट बनावट और आकर्षक स्वरूप के कारण यह ताजिया चर्चा का विषय बना रहा। इस भव्य ताजिया का निर्माण पीपरा गांव के डॉ. सलीम कमर के नेतृत्व में कराया गया। उन्होंने बताया कि ताजिया को तैयार करने में करीब दो माह का समय लगा तथा लगभग दो लाख रुपये खर्च हुए। उन्होंने कहा कि उनके पूर्वजों के समय से चली आ रही ताजिया निर्माण की परंपरा को वे पिछले 25 वर्षों से निरंतर निभा रहे हैं।डॉ. सलीम कमर ने बताया कि ताजिया निर्माण के साथ-साथ जुलूस में शामिल श्रद्धालुओं के लिए शरबत, खिचड़ा और जलपान की व्यवस्था भी हर वर्ष की जाती है। इस धार्मिक और सामाजिक कार्य में मोहम्मद तस्लीम, मोहम्मद कलीम, डॉ. कैसर रजा, मोहम्मद आसिफ सहित कई लोगों का सराहनीय सहयोग रहा।

संपादकीय

पासपोर्ट, एसआईआर, नागरिकता, मतदाता और चुनाव आयोग?

25 जून से पंजाब सहित कई राज्यों में एसआईआर का काम शुरू हो गया है। 24 जून को विदेश मंत्रालय द्वारा यह कहा गया, पासपोर्ट नागरिकता का वेध दस्तावेज नहीं है। पंजाब के नागरिकों के पास सबसे ज्यादा पासपोर्ट हैं। पंजाब के नागरिक बड़ी संख्या में कनाडा, अमेरिका, ब्रिटेन एवं अन्य देशों में एनआरआई के रूप में रह रहे हैं। पंजाब में हर घर में पासपोर्ट एक प्रमाणित दस्तावेज है। एसआईआर के ठीक पहले विदेश मंत्रालय के स्पष्टीकरण के बाद पंजाब और अन्य राज्यों में नागरिकता को लेकर एक नई बहस शुरू हो गई है। अब लोग सरकार से पूछ रहे हैं, ऐसा कोई दस्तावेज बताएं, जो नागरिकता का प्रमाण हो। इस विवाद के शुरू होते ही केंद्रीय चुनाव आयोग ने स्पष्टीकरण जारी कर दिया। चुनाव आयोग द्वारा जो एसआईआर की जा रही है, उसमें पासपोर्ट को भी दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाएगा। चुनाव आयोग इसके साथ और कौन-कौन से दस्तावेज मांगता है। यह या तो चुनाव आयोग जानता है, या भगवान जानते हैं। जैसा पश्चिम बंगाल की एसआईआर के समय चुनाव आयोग द्वारा बिहार एवं अन्य राज्यों की तुलना में अन्य नियम लागू किये। लगभग 1 करोड़ मतदाताओं का नाम सूची से हटा दिया गया। चुनाव आयोग जो कहता है, वह करता नहीं है, पश्चिम बंगाल में यही हुआ। यह लड़ाई हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में भी लड़ी गई। कहीं से कोई न्याय मतदाताओं को नहीं मिला। उल्टे सुप्रीम कोर्ट ने कह दिया, जिन 27 लाख मतदाताओं ने ट्रिब्यूनल में अपील की है, मतदान के पहले यदि उसका निराकरण नहीं होता है, तो अगली बार मतदान कर लेना। ऐसे लाखों मतदाताओं का मतदान का संवैधानिक अधिकार छिन गया।

अभी तक एसआईआर के माध्यम से लगभग 6.50 करोड़ मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से अलग हो चुके हैं। अब जिन राज्यों में चुनाव होना है। चुनाव के ठीक पहले एसआईआर की प्रक्रिया शुरू करना एक बार फिर विवादों में है। पंजाब में अभी तक भाजपा की सरकार नहीं बनी है। जैसे बिहार, पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार कभी नहीं बनी थी। अब दोनों राज्यों में भाजपा की सरकारें हैं। अब भाजपा ने पंजाब को अपने निशाने पर लिया है? इस तरह के आरोप सामने आने लगे हैं। 2017 के बाद से चुनाव आयोग में बहुत पानी बह गया है। दर्जनो सॉफ्टवेयरों का उपयोग, चुनाव के लिए आयोग द्वारा शुरू किया गया है।

शाश्वत शांति की प्राप्ति के लिए शांति की इच्छा नहीं बल्कि आवश्यक है इच्छाओं की शांति।
: स्वामी ज्ञानानंद

मनुष्य का सच्चा जीवन साथी विद्या ही है, जिसके कारण वह विद्वान कहलाता है।
: स्वामी दयानन्द

सूडोकु नवताल- 7554
★☆☆☆☆ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7553 का हल

8	2	4		9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

सूडोकु नवताल- 7555
★★★✮☆ मध्यम

9		6		3		4		8
	2				9		7	
4			1	6				2
		8			2		3	
1		4				2		5
	3		5			8		
7				9	5			3
	8		6				4	
6		2		7		5		1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7554 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

धरती ने जब 40 सेकंड में उजाड़ दी एक पूरी दुनिया: वेनेजुएला की महात्रासदी, मलबे में जन्मी जिंदगी और मानवता के सामने खड़े सबसे बड़े सवाल

कभी-कभी प्रकृति ऐसा प्रहार करती है कि इंसान की सारी वैज्ञानिक उपलब्धियां, ऊंची-ऊंची इमारतें और आधुनिक तकनीक पलभर में बौनी नजर आने लगती हैं। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला में आए दो भीषण भूकंपों ने एक बार फिर पूरी दुनिया को यही संदेश दिया है कि कुदरत के सामने मनुष्य कितना असहाय है। महज 40 सेकंड के भीतर आए 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो शक्तिशाली झटकों ने राजधानी कराकास सहित उत्तर-मध्य क्षेत्र को मलबे के विशाल मैदान में बदल दिया। हजारों परिवार उजड़ गए, सैकड़ों इमारतें धराशायी हो गईं और लाखों लोगों का जीवन हमेशा के लिए बदल गया।

इस त्रासदी के बीच एक ऐसा दृश्य भी सामने आया जिसने पूरी दुनिया की आंखें नम कर दीं। एक गर्भवती महिला ढही हुई इमारत के मलबे के नीचे फंसी थी। वहीं उसने एक बच्ची को जन्म दिया। बचाव दल ने छत तोड़कर नवजात को सुरक्षित बाहर निकाला। मौत और जिंदगी के बीच झूलती इस बच्ची का जन्म मानव साहस और उम्मीद का प्रतीक बन गया। यह दृश्य बता गया कि सबसे भीषण अंधेरे में भी जीवन अपनी राह खोज ही लेता है।

भूकंप के बाद कराकास की तस्वीरें किसी युद्धग्रस्त शहर जैसी दिखाई दीं। बहुमंजिला इमारतें ताश के पत्तों की तरह बिखर गईं। अस्पतालों की इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं और मरीजों को व्हीलचेयर तथा अस्पताल के बिस्तरों सहित सड़कों पर लाना पड़ा। खुले मैदानों, सड़कों और राहत शिविरों में हजारों लोग रात बिताने को मजबूर हैं। हर तरफ धूल, मलबा, सायरनों की आवाज और अपनों की तलाश में भटकते लोगों की चीख-पुकार सुनाई दे रही है।

राहत और बचाव अभियान युद्ध स्तर पर चल रहा है। रेस्क्यू टीमें लगातार मलबा हटाकर लोगों को सुरक्षित निकालने का प्रयास कर रही हैं। कई स्थानों पर जीवित लोगों को बाहर निकाला गया है, तो कहीं पालतू जानवरों को भी सुरक्षित बचाया गया। मलबे में दबे लोगों की तलाश के लिए अत्याधुनिक उपकरण, खोजी दल और राहतकर्मी लगातार जुटे हुए हैं। हर बीतते घंटे के साथ उम्मीद और चिंता दोनों बढ़ती जा रही हैं।

प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार सैकड़ों लोगों की मौत की पुष्टि हुई है और बड़ी संख्या में लोग घायल हुए हैं। हजारों लोगों के लापता होने की आशंका जताई जा रही है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि मलबे में बड़ी संख्या में लोग दबे हो सकते हैं, इसलिए मृतकों का आंकड़ा और बढ़ सकता है। यदि ऐसा होता है तो यह वेनेजुएला के इतिहास की सबसे भयावह प्राकृतिक आपदाओं में से एक साबित होगी।

भूकंप ऐसे समय आया जब देश राष्ट्रीय अवकाश मना रहा था। अधिकांश लोग अपने घरों में मौजूद थे। यही कारण है कि इमारतें गिरते ही बड़ी संख्या में लोग उनमें फंस गए। राहत एजेंसियों के सामने सबसे बड़ी चुनौती मलबे के नीचे दबे लोगों तक जल्द पहुंचने की है, क्योंकि शुरूआती 72 घंटे किसी भी भूकंप राहत अभियान के लिए सबसे महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुभव रोंगटे खड़े कर देने वाले हैं। कई लोगों ने बताया कि पहले जमीन हिली, फिर दीवारों में दरारें पड़ने लगीं और कुछ ही क्षणों में पूरी इमारतें ढह गईं। धूल का इतना घना गुबार था कि सामने खड़ा व्यक्ति भी दिखाई नहीं दे रहा था। लोग अपने परिवार के सदस्यों को लेकर किसी तरह खुले मैदानों की ओर भागे। अनेक लोगों ने कहा कि उन्हें लगा जैसे वे किसी डरावनी फिल्म का हिस्सा बन गए हों।विशेषज्ञों के अनुसार भूकंप केवल उसकी तीव्रता से नहीं, बल्कि भवन निर्माण की गुणवत्ता से भी विनाशकारी बनता है। यही कारण है कि जापान जैसे देश कई बार सात या उससे अधिक तीव्रता के भूकंप झेल लेते हैं, लेकिन वहां अपेक्षाकृत कम नुकसान होता है। दूसरी ओर जहां भवन निर्माण मानकों का पालन नहीं होता, वहां कम तीव्रता का भूकंप भी बड़ी तबाही ला सकता है। इंजीनियरों का मानना है कि भूकंपरोधी निर्माण, मजबूत नींव और आधुनिक डिजाइन हजारों लोगों की जान बचा सकते हैं।

दुनिया के इतिहास में इससे भी अधिक विनाशकारी भूकंप आए हैं। वर्ष 1960 में चिली में 9.5 तीव्रता का अब तक का सबसे शक्तिशाली भूकंप दर्ज किया गया था। इसके बाद आई सुनामी ने कई देशों में भारी तबाही मचाई। वर्ष 2004 में इंडोनेशिया के सुमात्रा क्षेत्र में आए 9.1 से अधिक तीव्रता के भूकंप और सुनामी में दो लाख से अधिक लोगों की जान चली गई थी। वर्ष 2011 में जापान के तोहोकू भूकंप और सुनामी ने आधुनिक तकनीक वाले देश को भी गहरा घाव दिया। भारत ने भी 2001 के भुज भूकंप और 2015 के नेपाल भूकंप के दौरान बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान देखा है। इन सभी घटनाओं ने दुनिया को यह सिखाया कि भूकंप को रोका नहीं जा सकता, लेकिन उसकी तबाही को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

वेनेजुएला की इस त्रासदी ने एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने रखा है। अनेक लोगों ने बताया कि उन्हें झटकों से कुछ सेकंड पहले मोबाइल फोन पर चेतावनी मिली थी। ऐसी प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली लोगों को सुरक्षित स्थान तक पहुंचने के लिए कुछ कीमती सेकंड उपलब्ध करा सकती है। भविष्य में इस प्रकार की तकनीक को और अधिक विकसित करने की आवश्यकता है ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों की जान बचाई जा सके।

भूकंप के दौरान सबसे जरूरी बात घबराने की नहीं, बल्कि संयम बनाए रखने की होती है। यदि व्यक्ति भवन के अंदर हो तो मजबूत मेज या फर्नीचर के नीचे शरण ले और खिड़कियों तथा भारी वस्तुओं से दूर रहे। लिफ्ट का उपयोग नहीं करना चाहिए। यदि खुले स्थान पर हों तो बिजली के खंभों, पेड़ों और इमारतों से दूर रहें। झटके रुकने के बाद ही सुरक्षित स्थान की ओर जाएं। परिवार के सभी सदस्यों के लिए पहले से आपातकालीन योजना बनाना, प्राथमिक उपचार सामग्री, टॉर्च, पीने का पानी, आवश्यक दवाइयां और जरूरी दस्तावेज सुरक्षित रखना भी बेहद आवश्यक है। सरकारों को भूकंपरोधी निर्माण को अनिवार्य बनाना चाहिए और समय-समय पर आपदा प्रबंधन का अभ्यास कराना चाहिए।

वेनेजुएला की इस भीषण आपदा ने पूरी दुनिया को एक बार फिर सोचने पर मजबूर कर दिया है। ऊंची इमारतें, आधुनिक शहर और तकनीकी प्रगति तब तक सुरक्षित नहीं मानी जा सकतीं, जब तक निर्माण गुणवत्ता, आपदा प्रबंधन और समय पर चेतावनी व्यवस्था मजबूत न हो। मलबे के नीचे जन्मी वह मासूम बच्ची आज पूरी मानवता के लिए उम्मीद का प्रतीक बन गई है। उसने यह संदेश दिया है कि चाहे परिस्थितियां कितनी भी भयावह क्यों न हों, जीवन हार नहीं मानता। लेकिन साथ ही यह त्रासदी हमें यह भी याद दिलाती है कि प्रकृति के सामने विनम्र रहना, वैज्ञानिक तैयारी करना और सुरक्षित निर्माण को प्राथमिकता देना ही भविष्य की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यही सबक वेनेजुएला की इस भयावह त्रासदी दुनिया को देकर गई है।

(छ 103 जलवंत टाऊनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड, नियर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324 वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार-स्तम्भकार)
कांतिलाल मांडोत
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

देखने और सुनने में अक्षम हेलेन केलर ने पढ़ाया दुनिया को शिक्षाप्रद पुस्तके

महिला शिक्षाविद हेलेन केलर का जन्म 27 जून, 1880, को टस्कम्बिया, अलबामा, यू ए स .में हुआ था वो एक अमेरिकी लेखिका और शिक्षिका थीं, जो देख और सुन नहीं सकती थीं। उनकी शिक्षा और प्रशिक्षण, ऐसी अक्षमताओं वाले लोगों की शिक्षा के क्षेत्र में एक असाधारण उपलब्धि है।मई 1888 में, केलर ने परकिन्स इंस्टीट्यूट फॉर द ब्लाइंड में जाना शुरू किया। 1893 में, केलर और सुलिवन ने विलियम वेड हाउस एंड फिनिशिंग स्कूल में पढ़ाई की। 1894 में, केलर और सुलिवन न्यूयॉर्क चली गईं ताकि वे राइट-ह्यूमासन स्कूल फॉर द डेफ में जा सकें और होरेस मान स्कूल फॉर द डेफ में सारा फुलर से सीख सकें। 1896 में, वे मैसाचुसेट्स लौट आईं और केलर ने कैम्ब्रिज स्कूल फॉर यंग लेडीज में दाखिला लिया। इसके बाद 1900 में उन्हें हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के रैडक्लिफ कॉलेज में एडमिशन मिला, जहाँ वे साउथ हाउस के ब्रिग्स हॉल में रहती थीं। उनके प्रशंसक मार्क ट्वेन ने उन्हें स्टैंडर्ड ऑयल के बड़े व्यापारी हेनरी हटलस्टन रोजर्स से मिलवाया था; रोजर्स और उनकी पत्नी एबी ने केलर की पढ़ाई का खर्च उठाया। 1904 में, 24 साल की उम्र में, केलर ने फाई बीटा कप्पा की सदस्य के तौर पर रैडक्लिफ से ग्रेजुएशन पूरा किया और बैचलर ऑफ आर्ट्स की डिग्री पाने वाली पहली ऐसी व्यक्ति बनीं जो सुन और देख नहीं सकती थीं। उन्होंने ऑस्ट्रियाई शिक्षक और दार्शनिक विल्हेम जेरूसलम के साथ पत्र-व्यवहार बनाए रखा, जिन्होंने सबसे पहले उनकी साहित्यिक प्रतिभा को पहचाना था। दूसरों के साथ आम तरीके से बातचीत करने के पक्के इरादे के साथ, केलर ने बोलना सीखा और अपनी ज़िंदगी का ज्यादातर समय अपने जीवन के अलग-अलग पहलुओं पर भाषण और लेक्चर देने में बिताया। उन्होंने टैडोमा तरीके से लोगों की बातचीत को सुनना सीखा; इस तरीके में वे बोलने वाले के होंठों और गले को अपनी उंगलियों से छूकर महसूस करती थीं। वे ब्रेल का इस्तेमाल करने में माहिर हो गईं और बातचीत के लिए फिंगरस्पेलिंग का भी इस्तेमाल करती थीं। पहले विश्व युद्ध से कुछ समय पहले, जोएलनर चौकड़ी की मदद से उन्होंने यह पता लगाया कि अगर वे अपनी उंगलियों के पोरों को गूंजने वाली मेज की सतह पर रखें, तो वे पास बज रहे संगीत को महसूस कर सकती हैं। देखने और सुनने में अक्षम एक्टिविस्ट हेलेन केलर द हेलेन केलर नाम के एक प्लेन को छू रही हैं, जिस पर प्लेन और यात्रा के रास्ते का ग्राफि क बना हुआ है। 19 महीने की उम्र में केलर को एक बीमारी (शायद स्कारलेट फीवर) हो गई, जिससे वह देख और सुन नहीं सकती थीं। 6 साल की उम्र में अलेक्जेंडर ग्राहम बेल ने उनकी जाँच की। इसके बाद, उन्होंने बोस्टन में परकिन्स इंस्टीट्यूशन फॉर द ब्लाइंड से 20 साल की शिक्षिका ऐनी सुलिवन (मेसी) को उनके पास भेजा; इस संस्थान का संचालन बेल के दामाद करते थे। एक बेहतरीन शिक्षिका, सुलिवन मार्च 1887 से लेकर अक्टूबर 1936 में अपनी मृत्यु तक केलर के साथ रहीं। कुछ ही महीनों में केलर ने चीजों को छूकर महसूस करना और उन्हें अपनी हथेली पर उंगलियों के संकेतों से बताए गए शब्दों से जोड़ना सीख लिया; साथ ही, कार्डबोर्ड पर उभरे हुए शब्दों को छूकर वाक्य पढ़ना और एक फ्रेम में शब्दों को व्यवस्थित करके अपने वाक्य बनाना भी सीख लिया। 1888-90 के दौरान उन्होंने सर्दियाँ परकिन्स इंस्टीट्यूशन में ब्रेल लिपि सीखने में बिताईं। फिर उन्होंने बोस्टन के ही होरेस मान स्कूल फॉर द डेफ की सारा फुलर के मार्गदर्शन में बोलना सीखने की धीमी प्रक्रिया शुरू की। उन्होंने बोलने वाले के होंठों और गले पर उंगलियाँ रखकर होंठों की हरकत से बात समझना (लिप-रीडिंग) भी सीखा, जबकि साथ ही उनके लिए शब्द भी बताए जाते थे। 14 साल की उम्र में उन्होंने न्यूयॉर्क शहर के राइट-ह्यूमासन स्कूल फॉर द डेफ में दाखिला लिया और 16 साल की उम्र में मैसाचुसेट्स के कैम्ब्रिज स्कूल फॉर यंग लेडीज में पढ़ाई शुरू की। उन्हें 1900 में रैडक्लिफ कॉलेज में दाखिला मिला और 1904 में उन्होंने कम लॉडे (सम्मान के साथ) ग्रेजुएशन पूरा किया। ऐसी क्षमताएँ विकसित करने के बाद जो किसी भी अन्य दिव्यांग व्यक्ति में नहीं देखी गई थीं, केलर ने अंधेपन के बारे में लिखना शुरू किया। उस समय महिलाओं की पत्रिकाओं में इस विषय पर बात करना वर्जित माना जाता था क्योंकि अंधेपन के कई मामलों का संबंध यौन रोगों से होता था। एडवर्ड डब्ल्यू. बोक ने लेडीज होम जर्नल के लिए उनके लेख स्वीकार किए, और द सेंचुरी, मैक्लूर्स और द अटलांटिक मंथली जैसी अन्य प्रमुख पत्रिकाओं ने भी उनका अनुसरण किया। उन्होंने कई किताबों में अपने जीवन के बारे में लिखा, जिनमें द स्टोरी ऑफ माई लाइफ (1903), ऑप्टिमिज्म (1903), द वर्ल्ड आई लिव इन (1908), लाइट इन माई डार्कनेस एंड माई रिलीजन (1927), हेलेन केलर्स जर्नल (1938) और द ओपन डोर (1957) शामिल हैं। 1913 में उन्होंने (एक दुभाषिए की मदद से) व्याख्यान देना शुरू किया, मुख्य रूप से अमेरिकन फाउंडेशन फॉर द ब्लाइंड की ओर से, जिसके लिए उन्होंने बाद में 2 मिलियन डॉलर का एंडोमेंट फंड स्थापित किया; उनके व्याख्यान दौरों ने उन्हें कई बार दुनिया भर की यात्रा कराई। 1920 में उन्होंने अमेरिकी नागरिक अधिकार कार्यकर्ता रोजर नैश बाल्डविन और अन्य लोगों के साथ मिलकर अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन की सह-स्थापना की। बहरे और अंधे लोगों के साथ व्यवहार को बेहतर बनाने के उनके प्रयासों ने दिव्यांगों को आश्रय-गृहों से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 1937 तक 30 राज्यों में अंधे लोगों के लिए आयोगों के गठन को भी बढ़ावा दिया। उनका जीवन तब बदल गया जब 1887 में उनकी शिक्षिका और जीवन भर की साथी ऐनी सुलिवन आईं। उन्होंने केलर को उनके हाथ पर शब्द लिखकर बातचीत करना सिखाया, जो बहुत मशहूर हुआ। 1904 में उन्होंने रैडक्लिफ कॉलेज से कम लाउड (सम्मान के साथ) ग्रेजुएशन किया। एक मशहूर लेखिका (खासकर द स्टोरी ऑफ माई लाइफ के लिए) होने के अलावा, वह दिव्यांगों के अधिकारों की अथक समर्थक थीं। उन्होंने 1920 में अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन की सह-स्थापना की और अमेरिकन फाउंडेशन फॉर द ब्लाइंड के लिए फंड जुटाने में अहम भूमिका निभाई। हेलेन केलर का निधन 1 जून 1968 को 87 साल की उम्र में सोते समय हुआ। उनका निधन ईस्टन, कनेक्टिकट में उनके घर आर्कन रिज में हुआ। लेकिन उन्होंने वह हासिल किया जो पहले किसी भी दिव्यांग व्यक्ति ने नहीं किया था और दुनिया को अपनी पुस्तक के माध्यम से खुद अंधा होकर ज्ञान की रोशनी दि जो महिलाओ के लिए प्रेणनास्त्रोत रही है वो भी साहित्य के क्षेत्र में दिव्यांग के लिए एक मिशाल कायम की है।

संजय गोस्वामी
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला : श्रद्धालुओं का विश्वास कैसे कायम रखें, पारदर्शी व्यवस्था जरूरी

अयोध्या में स्थित श्रीराम मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि देश विदेश में बैठे हर श्रद्धालुओं की आस्था, विश्वास और सांस्कृतिक चेतना का केंद्र है। ऐसे में मंदिर के चढ़ावे में कथित चोरी और अनियमितताओं से जुड़े मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) की रिपोर्ट में बड़े खुलासों के संकेत सामने आना अत्यंत गंभीर विषय है। यह मामला केवल धन के दुरुपयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि उस भरोसे से भी जुड़ा है जो श्रद्धालु अपनी श्रद्धा के साथ मंदिर प्रबंधन पर व्यक्त करते हैं। हालांकि इस रिपोर्ट में क्या है यह बाहर नहीं आया है। लेकिन सूत्रों का कहना है कि इस रिपोर्ट में बहुत कुछ बड़ा है जिस पर चिंतन मनन चल रहा है। यह सभी जानते हैं कि यह श्रीराम मंदिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए जुगो जुगो तक ५०० वर्षों के बाद वह विजय गाथा है जो भारतीय जनता पार्टी के लिए संजीवनी बूटी का काम करेगी? चढ़ावा चोरी मामले की जांच को राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप से ऊपर उठाकर देखा जाना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि श्रद्धालुओं का विश्वास कैसे कायम रखा जाए। क्योंकि मंदिर की भव्यता पत्थरों से नहीं, बल्कि भक्तों की अटूट श्रद्धा और विश्वास से निर्मित होती है।

प्रारंभिक सूचनाओं के अनुसार एसआईटी को चढ़ावे के संग्रह, गिनती और जमा करने की प्रक्रिया में कुछ संदिग्ध पहलुओं के प्रमाण मिले हैं। यदि जांच में यह साबित होता है कि चढ़ावे की राशि में हेराफेरी हुई है, तो यह न केवल कानूनी अपराध होगा बल्कि धार्मिक भावनाओं के साथ विश्वासघात भी माना जाएगा। राम मंदिर निर्माण और संचालन से जुड़ी संस्थाओं पर देश-विदेश के करोड़ों लोगों की निगाह रहती है, इसलिए पारदर्शिता और जवाबदेही की अपेक्षा भी स्वाभाविक रूप से अधिक है।यह भी ध्यान रखना होगा कि किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले जांच पूरी होना आवश्यक है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में आरोप और दोषसिद्धि के बीच स्पष्ट अंतर होता है। इसलिए केवल आशंकाओं या राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के आधार पर निर्णय देना उचित नहीं होगा। एसआईटी को निष्पक्ष, स्वतंत्र और तथ्यों पर आधारित जांच करनी चाहिए ताकि सत्य सामने आ सके।इस घटना ने एक बार फिर देश के बड़े धार्मिक संस्थानों में वित्तीय प्रबंधन और लेखा-परीक्षण की व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। मंदिरों, गुरुद्वारों, मस्जिदों और चर्चों सहित सभी धार्मिक संस्थानों में प्राप्त दान और चढ़ावे का नियमित ऑडिट, डिजिटल रिकॉर्डिंग और सार्वजनिक रिपोर्टिंग सुनिश्चित की जानी चाहिए। इससे पारदर्शिता बढ़ेगी और भ्रष्टाचार की संभावनाएं कम होंगी। राजनीतिक दलों को भी इस मामले को केवल राजनीतिक लाभ-हानि के चश्मे से देखने से बचना चाहिए। आस्था से जुड़े मुद्दों का राजनीतिकरण समाज में अनावश्यक विभाजन पैदा कर सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि दोषी चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई हो और यदि आरोप निराधार सिद्ध हों तो संबंधित संस्थाओं की प्रतिष्ठा भी बहाल की जाए। अयोध्या राम मंदिर केवल एक भवन नहीं, बल्कि भारतीय समाज की आस्था का प्रतीक है। इसलिए चढ़ावे की चोरी से जुड़े आरोपों की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई न केवल कानून का प्रश्न है, बल्कि करोड़ों श्रद्धालुओं के विश्वास की रक्षा का भी दायित्व है। एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट से सच सामने आएगा, और यही अपेक्षा की जानी चाहिए कि सत्य तथा पारदर्शिता की जीत हो।वहीं एसआईटी ने मंगलवार को अपनी 20 पन्नों की शुरूआती जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी थी, जिसमें 150 लोगों से पूछताछ का विवरण है। रिपोर्ट में एफआईआर दर्ज करने और ट्रस्ट को दुबारा गठित करने की सिफारिश की गई है। साथ ही, किसी वरिष्ठ अधिकारी को मंदिर का सीईओ नियुक्त करने का सुझाव भी दिया गया है। एसआईटी ने पिछले पांच साल के चढ़ावे का ऑडिट कराने और भविष्य में अनियमितताओं को रोकने के लिए सुझाव दिए हैं, जिसमें ट्रस्ट के पदाधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए गए हैं। राज्य सरकार ने रिपोर्ट प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) को भेजी है, जो अब ट्रस्ट के सदस्यों के भविष्य पर अंतिम निर्णय लेगा।अब यह विषय समय के गर्त में है क्योंकि आगामी दिनों में मानसून सत्र भी आने वाला है अगर ऐसे में मंदिर संबंधी चोरी पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो यह मुद्दा उछलेगा ? वहीं प्रधानमंत्री मोदी जी पुराने लटके बिलों को पास करवाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं। आम आदमी पार्टी , टीएमसी , शिवसेना व अन्य से बिखरे हुए बागी सांसद भी सत्ता के साथ कदम से कदम मिलाकर देखे जा रहे हैं। इसलिए मोदी सरकार जल्द से जल्द से एसआईटी की रिपोर्ट सार्वजनिक कर दोषियों के खिलाफ कड़ा एक्शन लेगी ताकि मानूसन सत्र में यह मुद्दा हावी न हो?

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में देखा जा रहे है कि जनमानस को भी गहरा धक्का लगा है क्योंकि चढ़ावे में जिस तरीके से गिरावट दर्ज की गई है वह किसी से छिपी नहीं है। अयोध्या में राम मंदिर से जुड़े चढ़ावा चोरी प्रकरण ने केवल आर्थिक अनियमितताओं के सवाल ही नहीं खड़े किए हैं, बल्कि श्रद्धालुओं के विश्वास और मंदिर प्रशासन की पारदर्शिता पर भी बहस तेज कर दी है। जिस तरह हाल के समय में मंदिर में आने वाले चढ़ावे की राशि में गिरावट दर्ज की गई है, वह किसी से छिपी नहीं है। यद्यपि चढ़ावे में कमी के पीछे मौसम, तीर्थयात्रियों की संख्या, आर्थिक परिस्थितियां और अन्य कई कारण हो सकते हैं, लेकिन चोरी और अनियमितता के आरोपों ने इस गिरावट को लेकर नई आशंकाओं को जन्म दिया है। किसी भी धार्मिक स्थल की सबसे बड़ी पूंजी श्रद्धालुओं का विश्वास होता है।

सौरभ वार्ष्णेय
(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

नेपालः आय से अधिक संपत्ति मामले में पूर्व वित्त मंत्री विष्णु पौडेल की जमानत याचिका पर 30 जून को होगी सुनवाई

काठमांडू। आय से अधिक संपत्ति और कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पिछले एक सप्ताह से पुलिस हिरासत में रहे नेपाल के पूर्व वित्त मंत्री विष्णु पौडेल की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट 30 जून को सुनवाई करेगा। अदालत ने मामले में अटॉर्नी जनरल कार्यालय से लिखित जवाब भी तलब किया है। पूर्व वित्त मंत्री की पत्नी दोमाया पौडेल ने 24 जून को सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दायर कर दावा किया कि उनके पति को अवैध रूप से हिरासत में रखा गया है। याचिका में उनकी गिरफ्तारी और हिरासत की वैधता पर सवाल उठाते हुए अदालत से हस्तक्षेप की मांग की गई है। मामले की सुनवाई न्यायाधीश श्रीकांत पौडेल की एकल पीठ में हुई। अदालत ने अटॉर्नी जनरल कार्यालय को लिखित जवाब दाखिल करने का निर्देश देते हुए अगली सुनवाई की तिथि 30 जून निर्धारित की है। उल्लेखनीय है कि विष्णु पौडेल को 22 जून को सुर्खेत से कथित मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के अगले दिन 23 जून को उन्हें काठमांडू स्थित विशेष अदालत में पेश किया गया। विशेष अदालत ने प्रारंभिक जांच पूरी करने के लिए उन्हें सात दिन की न्यायिक हिरासत में रखने की अनुमति दी है। फिलहाल नेपाल का संपत्ति शुद्धिकरण विभाग (एसेट लॉन्ड्रिंग इन्वेस्टिगेशन अथॉरिटी) मामले की जांच कर रहा है और कथित आय से अधिक संपत्ति तथा मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े आरोपों की पड़ताल की जा रही है। अदालत में दायर रिट याचिका और जांच एजेंसियों की कार्रवाई के बीच अब इस मामले पर सभी की निगाहें 30 जून को होने वाली सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई पर टिकी हैं, जहां हिरासत की वैधता और जमानत संबंधी याचिका पर आगे की न्यायिक प्रक्रिया तय होगी।

देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन जींद से दिल्ली रवाना

जींद। हरियाणा के जींद रेलवे जंक्शन से हाइड्रोजन ट्रेन को शुक्रवार को हाई-स्पीड ट्रायल के लिए दो डीजल इंजनों के साथ दिल्ली रवाना किया गया। जींद से दिल्ली तक ट्रेन की गति 75 किलोमीटर प्रति घंटा रही। इसके बाद दिल्ली-सोनीपत रेलखंड पर विभिन्न चरणों में ट्रेन का परीक्षण किया गया। इस दौरान दिल्ली से सोनीपत रूट पर ट्रेन का ट्रायल 85 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से किया गया। वहीं सोनीपत से दिल्ली जाते समय भी ट्रेन की स्पीड 85 किलोमीटर प्रति घंटा थी। इसके बाद दिल्ली से सोनीपत जाते समय ट्रेन की स्पीड 100 किलोमीटर प्रति घंटा निर्धारित रखी गई। वहीं सोनीपत से दिल्ली रूट पर 100 किलोमीटर प्रति घंटा की गति निर्धारित रखी गई। दिल्ली से सोनीपत आते समय अंतिम चक्कर 120 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड रखी गई। इसके बाद ट्रेन सोनीपत से जींद वापस जींद आएगी। हाई स्पीड ट्रायल की तैयारियों को लेकर 24 जून को आरडीएसओ (रेलवे डिजाइन संगठन मानक) टीम जींद रेलवे स्टेशन पर पहुंची थी। टीम ने हाइड्रोजन ट्रेन के अंदर वायरिंग और प्लेटिंग का काम पूरा किया। शुक्रवार को ट्रेन हाई स्पीड ट्रायल किया गया। गौरतलब है कि हाइड्रोजन ट्रेन का इससे पहले 75 और 85 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से स्पीड ट्रायल हो चुका है। शुक्रवार को हाई स्पीड टेस्ट के दौरान टेस्ट के दौरान हर बारीकी पहलुओं पर नजर बनाई जाएगी। ट्रायल में ब्रेकिंग सिस्टम, इंजन की क्षमता, कंपन सिस्टम ट्रैक पर स्थिरता जैसे परिस्थितियों का आंकलन किया गया। ट्रायल के दौरान ट्रेन की तकनीकी क्षमता और सुरक्षा मानकों की जांच होगी। हाई स्पीड परीक्षण के लिए बाहर से हाइड्रोजन गैस का एक विशेष टैंकर मंगवाया गया था ताकि ट्रेन को पर्याप्त ईंधन मिल सके। रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह परीक्षण हाइड्रोजन ट्रेन परियोजना का सबसे महत्वपूर्ण चरण है। इसके सफल रहने पर देश में स्वच्छ ऊर्जा आधारित रेल संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा। इससे पहले हाइड्रोजन ट्रेन का 75 से 85 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से सफल स्पीड ट्रायल किया जा चुका है। अब अंतिम चरण में 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार पर ट्रेन के प्रदर्शन का परीक्षण किया जा रहा है।

गुरुग्रामः पंजाब के सीएम की वीडियो की फर्जी रिपोर्ट बनाने का आरोपी निकला एनआईए का कर्मचारी

गुरुग्राम। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के कथित विवादित वीडियो को फर्जी फॉरेंसिक रिपोर्ट से क्लीन चिट देने के मामले में एक नया खुलासा हुआ है। गुरुग्राम पुलिस की जांच में पता चला है कि गिरफ्तार किए गए दो आरोपियों में से एक आरोपी अंकित राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) में कॉन्ट्रैक्ट पर काम करता है। दूसरा आरोपी अरुण पंचकूला में परिवार पहचान पत्र कार्यालय में काम करता है। गिरफ्तार किए गए ये दोनों आरोपी किसी सरकारी या मान्यता प्राप्त फॉरेंसिक लैब से नहीं जुड़े। फिलहाल पुलिस ने रुपयों के लेन-देन की जांच करने के लिए दोनों आरोपियों के बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है और जांच जारी है।गुरुग्राम पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने यह बात स्वीकार भी की है कि उनका किसी तकनीकी या साइबर फॉरेंसिक लैब से कोई संबंध नहीं है। पैसों के लालच में उन्होंने फर्जी रिपोर्ट तैयार की गई थी।आरोपी अंकित के एनआईए से संबंध पाए जाने पर गुरुग्राम पुलिस ने पूरे मामले की सूचना एनआईए के वरिष्ठ अधिकारियों को भेज दी है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) नवीन शर्मा ने शुक्रवार को बताया कि आरोपियों से पूछताछ में पंजाब पुलिस के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के नाम भी उजागर हुए हैं। अब उनकी भूमिका और आरोपियों से हुई बातचीत के तकनीकी साक्ष्यों की जांच कर रही है। पुलिस ने गुरुग्राम के क्राउन प्लाजा होटल से सीसीटीवी फुटेज और आगंतुकों का एंट्री रजिस्टर भी जब्त किया है। होटल के रिकॉर्ड में लुधियाना के पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा और एसपी जसदीप गिल के नाम मिले हैं। गुरुग्राम पुलिस को अभी तक की जांच में यह भी पता चला है कि वीडियो की जांच सिफर सेंटिनेल लैब और साइबेरियन लैब्स है ही नहीं। यानी लैब्स का नाम भी फर्जी तरीके से रिपोर्ट में डाल दिया गया। ना ही सरकार की ओर से इन नामों से किसी लैब को मान्यता है। इस मामले में शिकायतकर्ता फॉरेंसिक एक्सपर्ट जसप्रीत सिंह का यह कहना है कि पंजाब पुलिस के अधिकारियों ने उसे बंधक बनाया था। रिपोर्ट तैयार करने के लिए डराया, धमकाया भी। जसप्रीत का यह भी कहना है कि उसे यह नहीं पता था कि वीडियो की फर्जी रिपोर्ट का इस्तेमाल अकाल तख्त साहिब को गुमराह करने के लिए किया जाएगा। बता दें कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के एक कथित वीडियो को लेकर इन दिनों बहस और हंगामा मचा है। सिखों की धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले उस वीडियो को फर्जी बताया गया।

तारातला हादसे में अब थर्मल इमेजिंग कैमरा और इंफ्रारेड लाइफ डिटेक्टर मशीन का इस्तेमाल शुरू

कोलकाता। कोलकाता के तारातला इलाके में चल रहे बचाव अभियान को और तेज तथा सटीक बनाने के लिए एनडीआरएफ की टीम ने अब अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। राहत और बचाव कार्य के दौरान ध्वस्त संरचना के मलबे के भीतर किसी व्यक्ति के फंसे होने की संभावना को तलाशने के लिए थर्मल इमेजिंग कैमरा और इंफ्रारेड लाइफ डिटेक्टर मशीन को लगाया गया है। बताया जा रहा है कि इंफ्रारेड लाइफ डिटेक्टर मशीन के माध्यम से मलबे के अंदर मौजूद किसी व्यक्ति के शरीर के तापमान का पता लगाया जा सकता है। यदि मशीन किसी स्थान पर मानव शरीर की उपस्थिति के संकेत देती है, तो उसके बाद वहां एक छोटे आकार का थर्मल इमेजिंग कैमरा अंदर भेजा जाता है। इस तकनीक की मदद से फंसे हुए व्यक्ति की सटीक लोकेशन का पता लगाया जाता है। इसके बाद एनडीआरएफ की टीम चिन्हित स्थान पर बेहद सावधानी के साथ लोहे के बीम और अन्य बाधाओं को काटकर राहत एवं बचाव कार्य को आगे बढ़ाती है। अधिकारियों का मानना है कि आधुनिक उपकरणों के इस्तेमाल से बचाव अभियान की गति बढ़ेगी और मलबे में फंसे लोगों तक जल्द पहुंचने में मदद मिलेगी। मौके पर एनडीआरएफ सहित अन्य एजेंसियां लगातार अभियान में जुटी हुई हैं।

रतलाम में ताजिया जुलूस के दौरान बड़ा हादसा, करंट से तीन की मौत

एजेंसी, रतलाम

♦ 12 से ज्यादा लोग झुलसे

मध्य प्रदेश के रतलाम जिले के पिपलौदा क्षेत्र के ग्राम हतनारा में मोहर्रम जुलूस के दौरान गुरुवार रात बड़ा हादसा हो गया। ताजिया 11 केवी हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से उसमें करंट फैल गया, जिससे तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि 12 से अधिक लोग झुलस गए। हादसे के बाद जुलूस में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई।

ग्रामीणों और निजी वाहनों की मदद से घायलों को तत्काल रतलाम मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पुलिस के अनुसार घटना रात करीब 11:15 बजे की है। पंचमुखी महादेव मंदिर और मस्जिद के बीच मुख्य मार्ग से ताजिया निकाला जा रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक ताजिया करीब 10 से 12 फीट ऊंचा था, लेकिन लोगों द्वारा उठाने के बाद इसकी ऊंचाई करीब 16 से 17 फीट तक पहुंच गई। इसी दौरान ताजिया ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से टकरा गया और जोरदार आवाज के साथ करंट फैल गया। इस हादसे में ग्राम हतनारा निवासी अरबाज खान, रशीद खान और सद्दू खान की मौत हो गई। वहीं कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया।

कलेक्टर ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जानाः शुक्रवार को प्रशासन ने मामले में कार्रवाई तेज कर दी। कलेक्टर मिशा सिंह रतलाम मेडिकल कॉलेज पहुंचीं और भर्ती घायलों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने एसडीएम रचना शर्मा और तहसीलदार देवेंद्र दानगढ़ को गांव भेजकर घटना की जांच शुरू कराई। अधिकारियों ने ताजिया कमेटी सदर अकरम मेव सहित अन्य लोगों के बयान दर्ज किए। एसडीओपी संदीप मालवीय और पिपलौदा थाना प्रभारी रमेश कोली भी हादसे के कारणों और जिम्मेदारी तय करने की जांच कर रहे हैं।

बिजली विभाग ने की कार्रवाईः हादसे के बाद बिजली कंपनी ने भी कार्रवाई की है। ड्यूटी पर तैनात बिजलीकर्मी घनश्याम गिरी को निलंबित कर दिया गया है। वहीं आउटसोर्स कर्मचारियों समरथ मकवाना और गोबीलाल को बर्खास्त करने के आदेश जारी किए गए हैं। बिजली कंपनी के अधिकारी भी मौके पर पहुंचकर जांच में जुटे हैं।

मृतकों के परिजनों को चार-चार लाख की सहायताः प्रशासन ने मृतकों के परिवारों को चार-चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। इसके अलावा तत्काल सहायता के रूप में पांच-पांच हजार रुपये भी दिए गए। शुक्रवार दोपहर नमाज के बाद मृतकों का जनाजा निकाला गया और उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया गया।

उत्तराखंड की ट्राउट मछली पहली बार पहुंची अंतराष्ट्रीय बाजार, पांच टन निर्यात

करीब 30 मीट्रिक टन ट्राउट मछली के निर्यात की तैयारी शुरू

एजेंसी, देहरादून

उत्तराखंड से राज्य गठन के बाद पहली बार ट्राउट मछली का अंतर्राष्ट्रीय बाजार में निर्यात किया गया है। पिथौरागढ़ जिले की तीन मत्स्यजीवी सहकारी समितियों की ओर से उत्पादित पांच मीट्रिक टन रेनबो ट्राउट मछली नेपाल भेजी गई है। राज्य सरकार ने आने वाले दिनों में करीब 30 मीट्रिक टन ट्राउट मछली के निर्यात की तैयारी भी शुरू कर दी है। मत्स्य विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा ने शुक्रवार को सचिवालय स्थित मीडिया सेंटर में पत्रकार वार्ता में बताया कि धारचूला और मुनस्यारी क्षेत्र की तीन सहकारी समितियों ने यह मछली तैयार की थी। कोल्ड-चेन के माध्यम से इसे गुजरात के वेरावल भेजा गया, जहां प्रसंस्करण के बाद 23 जून को नेपाल के अंतरराष्ट्रीय बाजार में निर्यात किया गया। इससे 33 मत्स्य पालकों को लगभग 23.50 लाख रुपये की आय हुई है। उन्होंने बताया कि इस पहले निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए मत्स्य विभाग ने हार्वेस्टिंग, पैकेजिंग और परिवहन के लिए 5.40 लाख रुपये की गैप फंडिंग उपलब्ध कराई।

उन्होंने कहा कि दुबई में आयोजित गल्फ फूड एक्सपो के दौरान बने अंतराष्ट्रीय संपर्कों का यह सकारात्मक परिणाम है। विभाग अब यूरोप, मध्य-पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया के बाजारों में भी निर्यात की संभावनाओं पर काम कर रहा है तथा लगभग 30 मीट्रिक टन ट्राउट मछली के निर्यात की तैयारी की जा रही है।

मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की नीतियों के कारण मत्स्य पालन क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। वर्ष 2020-21 में जहां ट्राउट मछली का उत्पादन लगभग 250 मीट्रिक टन था, वहीं वर्ष 2025-26 में यह बढ़कर करीब 800 मीट्रिक टन हो गया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के साथ हुए समझौते के तहत अब तक 2.10 करोड़ रुपये मूल्य की 45.10 मीट्रिक टन ट्राउट मछली की आपूर्ति की जा चुकी है।

नक्सली डंप से बड़ी मात्रा में हथियार-विस्फोटक सहित 24 लाख रुपये बरामद

एजेंसी, नारायणपुर

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के थाना ओरछा और थाना छोटेडोंगर क्षेत्र में संयुक्त सर्च अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने टेकला जंगल-पहाड़ी के नक्सली डंप से बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री बरामद किया है जबकि छोटेडोंगर थाना क्षेत्र के तोयामेटा जंगल-पहाड़ी से नक्सलियों के छिपाकर रखा गया 24 लाख रुपये नकद बरामद किया गया है। नारायणपुर पुलिस के अनुसार नक्सलवाद के समाप्ति के बाद लगातार चलाये जा रहे अभियान के तहत विश्वसनीय सूचना के आधार पर थाना ओरछा और थाना छोटेडोंगर क्षेत्र में विगत दो दिनों से जारी संयुक्त सर्च अभियान चलाया गया। टेकला जंगल-पहाड़ी में तलाशी के दौरान सुरक्षा बलों ने नक्सलियों के जमीन में छिपाकर रखा गया हथियार डंप खोज निकाला। नक्सली डंप से बरामद हथियारों में एक इंसास रायफल, दो एसएलआर रायफल, दो .303 रायफल, दो 30-ओस्मी बंदूक, एक बीजीएल लॉन्चर, एक सिंगल शॉट बंदूक, 17 मैगजीन, 263 से अधिक जिंदा कारतूस, तीन डेटोनेटर, दो बायोफेंग स्कैनर सहित बड़ी मात्रा में नक्सल सामग्री बरामद की गई। इसी अभियान के दूसरे चरण में आज शुक्रवार को थाना छोटेडोंगर क्षेत्र के तोयामेटा जंगल-पहाड़ी में सुरक्षा बलों ने नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखी गई 24 लाख रुपये की नकद राशि बरामद की गई है। नारायणपुर एसपी रॉबिंसन गुड़िया ने आज नक्सली डंप के बरामदगी की पुष्टि करते हुए बताया कि जिले से नक्सलवाद के समाप्ति के बाद जिले के संवेदनशील इलाकों में लगातार एरिया डोमिनेशन और सर्च अभियान चलाए जा रहे हैं।

तारातला हादसे पर मुख्यमंत्री ने कहा-वास्तुकार और डिजाइनर होंगे ब्लैकलिस्ट

एजेंसी, कोलकाता

कोलकाता के तारातला में निर्माणाधीन गोदाम की छत ढहने की घटना के बाद पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शुक्रवार को बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि परियोजना की निगरानी के लिए जिम्मेदार वास्तुकार और डिजाइनर को तत्काल प्रभाव से ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई सिर्फ शुरुआत है और भविष्य में निगरानी में लापरवाही बरतने वाले किसी भी वास्तुकार, योजनाकार या डिजाइनर के खिलाफ इसी तरह की कार्रवाई की जाएगी। कोलकाता के मैदान स्थित लोक निर्माण विभाग के शिविर में मुख्यमंत्री ने कहा कि शनिवार को सरकारी कार्यालय खुलते ही कोलकाता नगर निगम की आयुक्त एवं प्रशासक स्मिता पांडे ब्लैकलिस्ट करने की प्रक्रिया शुरू करेंगी। उन्होंने कहा कि वास्तुकार, योजनाकार, डिजाइनर और उनसे जुड़ी संस्थाएं स्वीकृत परियोजनाओं की निगरानी करने के लिए जिम्मेदार होती हैं। उन्होंने लिखित आश्वासन दिया था कि निर्माण कार्य की देखरेख करेंगे, लेकिन तारातला मामले में ऐसा नहीं किया गया। इसलिए उन्हें ब्लैकलिस्ट किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार कोलकाता में निर्माण कार्यों से जुड़े पूरे "अवैध गठजोड़" को खत्म करेगी। उन्होंने कहा, "कोलकाता के हर अवैध गठजोड़ को तोड़ा जाएगा। इसमें जो भी शामिल होगा, चाहे उसका पद कुछ भी हो, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।" इस बीच, तारातला गोदाम हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। मलबे में अभी भी संभावित रूप से फंसे लोगों की तलाश के लिए बचाव अभियान लगातार जारी है। बुधवार को निर्माणाधीन गोदाम की छत उस समय ढह गई थी, जब ताजा डाले गए कंक्रीट का भार लोहे के बीम और धातु की चादरें नहीं झेल सकीं, जिससे दर्जनों मजदूर मलबे में दब गए।

घटना में अब तक 18 घायल मजदूर एसएसकेएम अस्पताल में भर्ती हैं, जिनमें कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। बचाव अभियान में सेना, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा मोचन बल, कोलकाता पुलिस, दमकल विभाग और अन्य एजेंसियां लगातार जुटी हुई हैं। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को विधानसभा में बताया था कि मामले में प्राथमिकी दर्ज कर छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने गोदाम के निर्माण को "संरचनात्मक रूप से दोषपूर्ण" बताते हुए कोलकाता नगर निगम क्षेत्र तथा आसपास के राजारहाट, सोनारपुर, बारुईपुर और महेशतला में सभी निर्माणाधीन परियोजनाओं पर व्यापक ऑडिट पूरा होने तक रोक लगाने की घोषणा की थी।

पांवटा साहिब सीमा पर स्थिति सामान्य, प्रशासन व निहंग प्रतिनिधियों के बीच वार्ता शुरू

एजेंसी, देहरादून

पंजाब से हिमाचल प्रदेश के रास्ते उत्तराखंड की ओर आने का प्रयास कर रहे निहंग सिख समुदाय के कारण उत्पन्न परिस्थितियों के बीच पांवटा साहिब सीमा पर स्थिति सामान्य है। गुरुद्वारा पांवटा साहिब में आज निहंग सिख समुदाय के प्रतिनिधियों और प्रशासन के साथ सकारात्मक और सौहार्दपूर्ण माहौल में वार्ता शुरू हो गई है। निहंग सिख समुदाय के एकत्र होने पर प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करते हुए कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए व्यापक इंतजाम किए हैं। इसी बीच जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल ने गुरुद्वारा साहिब को पांवटा साहिब स्थित उत्तराखंड सीमा का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अधिकारियों ने मौके पर तैनात पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

सीमा पर पर्याप्त संख्या में पुलिस एवं सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। देहरादून आने-जाने वाले वाहनों की सघन जांच और निगरानी की जा रही है। इस बीच प्रशासन की ओर से गुरुद्वारा पांवटा साहिब में निहंग सिख समुदाय के प्रतिनिधियों के साथ सकारात्मक और सौहार्दपूर्ण माहौल में वार्ता जारी है। इस संबंध में देहरादून जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने कहा कि जनपद में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा इससे किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी संवेदनशील स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत कर दी गई है और प्रशासन एवं पुलिस प्रत्येक गतिविधि पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि आपसी संवाद के माध्यम से स्थिति पूरी तरह सामान्य बनाए रखने के प्रयास जारी हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल ने बताया कि सीमा क्षेत्र सहित सभी संभावित प्रवेश मार्गों पर प्रभावी नाकेबंदी कर पुलिस बल की तैनाती की गई है। सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी तथा शांति एवं कानून-व्यवस्था भंग करने का प्रयास करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने नागरिकों से अफवाहों पर ध्यान न देने, केवल आधिकारिक सूचनाओं पर भरोसा करने तथा शांति एवं सौहार्द बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की है। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को कोतवाली विकासनगर की कुल्हाल चौकी में उपद्रवी निहंगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। 16 जून को कर्णप्रयाग में मारपीट प्रकरण में गिरफ्तार चार साथियों की रिहाई के लिए निहंगों ने 25 जून को उत्तराखंड कूच का ऐलान किया था। इसके बाद गुरुवार रात को बड़ी संख्या में निहंग हिमाचल प्रदेश की सीमा से उत्तराखंड में घुसे थे।

मंत्री अग्निमित्रा पाल ग्लोबल वूमेन ऑफ इंपैक्ट अवार्ड के लिए नामित

एजेंसी, कोलकाता

♦ शिकागो में होगा सम्मान समारोह

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में शहरी विकास और नगरपालिका मामलों की मंत्री अग्निमित्रा पाल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी उपलब्धि मिली है। उन्हें अमेरिकन मल्टी एथनिक कमिशन (एएमईसी) द्वारा आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित 15वां वार्षिक एएमईसी कांग्रेसनल ग्लोबल चैंपियन गाला 2026 में ग्लोबल वीमेन ऑफ इंपैक्ट अवार्ड के लिए नामित किया गया है।

इसी क्रम में शुक्रवार को उन्हें एएमईसी संस्था के अधिकारी विजय प्रभाकर के हाथों कार्यक्रम का आधिकारिक आमंत्रण पत्र सौंपा गया। यह सम्मान समारोह आगामी 25 जुलाई, 2026 को अमेरिका के शिकागो शहर में आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर मंत्री अग्निमित्रा पाल ने अपनी खुशी और आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह नामांकन केवल व्यक्तिगत सम्मान नहीं बल्कि समाज के लिए किए गए कार्यों की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान है। उन्होंने आयोजकों के प्रति धन्यवाद जताते हुए कहा कि ऐसे सम्मान भविष्य में और अधिक समर्पण एवं जनसेवा के लिए प्रेरित करते हैं। गौरतलब है कि, एएमईसी कांग्रेसनल ग्लोबल चैंपियन गाला कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले वैश्विक व्यक्तित्वों को सम्मानित किया जाता है। इस वर्ष आयोजित होने वाले समारोह में मंत्री अग्निमित्रा पाल की उपस्थिति भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहने की संभावना है।

विकसित भारत का मार्ग कृषि और किसानों की समृद्धि से होकर जाता है

एजेंसी, पंतनगर

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि विकसित भारत का लक्ष्य तभी पूरा होगा,जब कृषि विकसित होगी और किसान समृद्ध होंगे। भारतीय कृषि जलवायु परिवर्तन सहित कई चुनौतियों का सामना कर रही है,जिनका समाधान वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार से ही संभव है। उन्होंने कृषि वैज्ञानिकों और विश्वविद्यालयों से भविष्य की चुनौतियों के समाधान में अग्रणी भूमिका निभाने का आह्वान किया। पंतनगर विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय पूर्व छात्र सम्मेलन का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने दीप प्रज्वलित कर किया। मंत्री ने कहा कि गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,पंतनगर भारतीय कृषि के इतिहास का गौरवशाली केंद्र है,जिसने देश को वैज्ञानिक,नीति-निर्माता,कृषि उद्यमी और उत्कृष्ट मानव संसाधन देकर कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा दी है।

श्री चौहान ने कहा कि हरित क्रांति की पावन भूमि पंतनगर में आकर वह स्वयं को धन्य महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश आज लगभग 377 मिलियन टन खाद्यान्न उत्पादन कर रहा है और चावल उत्पादन में भारत विश्व में पहले स्थान पर पहुंच चुका है। गेहूं उत्पादन भी अधिशेष है और भारतीय गेहूं और बासमती चावल की वैश्विक मांग लगातार बढ़ रही है। उन्होंने इन उपलब्धियों का श्रेय कृषि वैज्ञानिकों और पंतनगर विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों को दिया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन, गिरता भूजल स्तर,मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट और रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक

उपयोग जैसी चुनौतियों का समाधान वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार से ही संभव है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा,जब कृषि विकसित होगी और किसान समृद्ध होंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वह पंतनगर सिखाने नहीं, बल्कि सीखने आए हैं। उन्होंने विद्यार्थियों और कृषि विशेषज्ञों से संवाद को भारतीय कृषि के भविष्य से संवाद बताया। साथ ही पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए सभी से कम से कम अपने जन्मदिन पर एक पौधा लगाने की अपील की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि किसानित उत्तराखंड के निर्माण में विश्वविद्यालयों के पूर्व छात्रों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने पूर्व छात्रों से कृषि,अनुसंधान,नवाचार, स्टार्टअप और युवाओं के मार्गदर्शन में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंतनगर विश्वविद्यालय केवल एक शिक्षण संस्थान नहीं,बल्कि

पंतनगर विश्वविद्यालय भारतीय कृषि का गौरवशाली केंद्र

देश की हरित क्रांति का महत्वपूर्ण केंद्र रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की पर्वतीय कृषि छोटे जोत,जंगली जानवरों से फसलों को नुकसान,पलायन,सीमित बाजार और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है,जिनका समाधान अनुसंधान,नवाचार और सामूहिक प्रयासों से ही संभव है।

उन्होंने पूर्व छात्रों से किसानों और युवाओं को आधुनिक कृषि तकनीक,जैविक एवं प्राकृतिक खेती, कृषि प्रसंस्करण,मूल्य संवर्धन,डिजिटल मार्केटिंग और कृषि उद्यमिता के क्षेत्र में मार्गदर्शन देने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार स्टार्टअप,कौशल विकास और कृषि आधारित नवाचार को बढ़ावा देकर युवाओं के लिए नए अवसर सृजित कर रही है। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि राज्य गठन के बाद कृषि भूमि कम होने के बावजूद कृषि उत्पादन में लगभग तीन लाख टन की वृद्धि हुई है। उन्होंने पंतनगर विश्वविद्यालय को हेरिटेज विश्वविद्यालय घोषित किए जाने की मांग भी की।

शिवराज और धामी ने विद्यार्थियों के साथ की धान की रोपाईः इससे पहले केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पंतनगर विश्वविद्यालय परिसर स्थित संग्रहालय और स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की ओर से लगाए गए स्टॉलों का अवलोकन किया। दोनों नेताओं ने कृषि विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से संवाद किया और उनके साथ धान की रोपाई में भी हिस्सा लिया।

27-06-2026 T.P. Page 8_Layout 1 27-06-2026 09:15 Page 1

'सुपर सुब्बू' में ह्यूमर और सच्ची

मानवीय भावनाओं का बेहतरीन संतुलन है : मिथिला पालकर

मुंबई। अभिनेत्री मिथिला पालकर अपनी आगामी स्ट्रीमिंग सीरीज सुपर सुब्बू की रिलीज की तैयारी में हैं। अभिनेत्री का कहना है कि इस सीरीज में उनका किरदार हास्य और वास्तविक मानवीय भावनाओं के बीच बेहतरीन संतुलन स्थापित करता है। बुधवार को सीरीज का ट्रेलर जारी किया गया। इसमें सुंदीप किशन और मुरली शर्मा भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। कहानी सुब्रमण्यम 'सुब्बू' चिल्लुकुरी राव के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी पोस्टिंग काल्पनिक गांव माकीपुर में होती है, जहां कोई भी शिक्षक जाना नहीं चाहता। सुब्बू अपने परिवार के सामने सम्मान बनाए रखने के इरादे से गांव पहुंचता है और पढ़ाने के लिए तैयार रहता है, लेकिन उसे गांव में सबसे असहज जिम्मेदारी यानी सेक्स एजुकेशन पढ़ाने का काम सौंप दिया जाता है। सीरीज में अपने किरदार को लेकर मिथिला पालकर ने कहा, 'मुझे 'सुपर सुब्बू' की ओर सबसे ज्यादा आकर्षित करने वाली बात यह थी कि यह हास्य के साथ-साथ वास्तविक मानवीय भावनाओं को भी खूबसूरती से प्रस्तुत करती है। तमाम अफरा-तफरी, जिज्ञासा और हंसी-मजाक के पीछे रिश्तों, स्वीकार्यता और एक-दूसरे को बेहतर ढंग से समझने की कहानी छिपी हुई है। निर्देशक मल्लिक राम ने जो दुनिया रची है, वह अनोखी, जीवंत और ऊर्जा से भरपूर है। इस यात्रा में हर किरदार कुछ यादगार लेकर आता है।' उन्होंने आगे कहा, 'ऐसी कहानी का हिस्सा बनना जो मनोरंजक होने के साथ-साथ सार्थक भी हो, मेरे लिए बेहद रोमांचक अनुभव रहा। नेटफ्लिक्स के साथ काम करना हमेशा घर वापसी जैसा महसूस होता है। मैं उनके शुरुआती ओरिजिनल शो लिटल थिंग्स का हिस्सा रही हूं और अब उनकी पहली तेलुगु ओरिजिनल सीरीज 'सुपर सुब्बू' से जुड़ना ऐसा लगता है जैसे यह सफर पूरा चक्र पूरा कर चुका हो। मैं दुनिया भर के दर्शकों के माकीपुर के आकर्षण को देखने के लिए उत्साहित हूं।' वहीं अभिनेता सुंदीप किशन ने कहा, ''सुपर सुब्बू' एक ऐसे विषय को उठाती है, जिस पर लोग अक्सर खुलकर बात करने से झिझकते हैं। लेकिन यह इसे हास्य, गर्मजोशी और ईमानदारी के साथ पेश करती है। सुब्बू एक ऐसा व्यक्ति है जो एक समस्या सुलझाने निकलता है और अनजाने में पांच नई समस्याओं में फंस जाता है। नौकरी की परेशानियों, रिश्तों की उलझनों, पिता के सामने अपनी छवि बचाने की कोशिश और गांव वालों को नाराज कर देने जैसी स्थितियों के बीच वह लगातार मुश्किलों में घिरा रहता है। उसकी सबसे खास बात यह है कि उसकी नीयत हमेशा अच्छी रहती है, भले ही हालात उसके नियंत्रण से बाहर क्यों न हो जाएं।' उन्होंने कहा, 'माकीपुर अजीबोगरीब लेकिन दिलचस्प किरदारों से भरा हुआ है और हर गलतफहमी कहानी में नया हास्य और नया बवाल जोड़ती है। दर्शक लगातार यह सोचते रहेंगे कि सुब्बू अब इस स्थिति से कैसे निकलेगा। इतनी शानदार स्टारकास्ट के साथ काम करना और नेटफ्लिक्स की पहली तेलुगु ओरिजिनल सीरीज का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा। मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं कि दर्शक सुब्बू से मिलें और उसकी इस यादगार यात्रा का हिस्सा बनें।'

> सुब्बू अपने परिवार के सामने सम्मान बनाए रखने के इरादे से गांव पहुंचता है और पढ़ाने के लिए तैयार रहता है, लेकिन उसे गांव में सबसे असहज जिम्मेदारी यानी सेक्स एजुकेशन पढ़ाने का काम सौंप दिया जाता है। सीरीज में अपने किरदार को लेकर मिथिला पालकर ने कहा, 'मुझे 'सुपर सुब्बू' की ओर सबसे ज्यादा आकर्षित करने वाली बात यह थी कि यह हास्य के साथ-साथ वास्तविक मानवीय भावनाओं को भी खूबसूरती से प्रस्तुत करती है। तमाम अफरा-तफरी, जिज्ञासा और हंसी-मजाक के पीछे रिश्तों, स्वीकार्यता और एक-दूसरे को बेहतर ढंग से समझने की कहानी छिपी हुई है।

अक्षय कुमार ने किया मजेदार खुलासा- फैन की कार पर किया डांस

अहमद खान ने भी शेयर किए अनुभव

मुंबई। बॉलीवुड में फिल्मों के पीछे कई ऐसे किस्से छिपे होते हैं, जो दर्शकों को पर्दे पर तो नहीं दिखते, लेकिन बाद में जब सामने आते हैं तो काफी दिलचस्प लगते हैं। हाल ही में कोरियोग्राफर और फिल्म निर्माता अहमद खान और अभिनेता अक्षय कुमार ने अपने पुराने अनुभव साझा किए। दरअसल, दोनों अपनी आने वाली फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' के प्रमोशन में जुटे हुए है। इस कड़ी में उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए पुरानी फिल्मों की डार्क कॉमेडी और कलाकारों के काम करने के तरीके पर चर्चा की। अक्षय कुमार ने अपनी फिल्म 'अफलातून' की शूटिंग से जुड़े मजेदार किस्से भी सुनाए। कोरियोग्राफर और फिल्म निर्माता अहमद खान ने कहा, ''फिल्म 'जाने भी दो यारों' ऐसी फिल्म थी, जिसकी पूरी कहानी एक लाश के इर्द-गिर्द घूमती थी। हम सभी उस फिल्म को देखते हुए खूब हंसे। मुझे नहीं पता कि फिल्म निर्माता ऐसी ऐसी फिल्में बनाने से क्यों हिचकिचाते हैं। इस तरह की डार्क कॉमेडी दर्शकों को आज भी उतना ही हंसा सकती है, जितना पहले हंसाया करती थी, लेकिन ऐसे विषयों पर कम फिल्में बनती हैं।'' अहमद खान ने आगे कहा, ''पहले के दौर में कलाकार बिल्कुल नए होते थे। हमें उन्हें शुरुआत से सिखाना पड़ता था और उन्हें अभिनय की बुनियादी समझ दी जाती थी, फिर उन्हें सेट पर तैयार किया जाता था। लेकिन आज के समय में कलाकार पहले से ही ट्रेनिंग लेकर आते हैं। फिल्म इंडस्ट्री में यह बदलाव समय के साथ स्वाभाविक रूप से हुआ है।'' इसी बातचीत में अभिनेता अक्षय कुमार ने आज के कलाकारों को लेकर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, ''आज के कलाकार बड़ा रिस्क लेना नहीं चाहते। रिस्क से मेरा मतलब मल्टीस्टारर फिल्मों में काम करने से है। मैं हाथ जोड़कर उनसे अनुरोध करता हूं कि वे मल्टीस्टारर फिल्मों में काम करें।'' अक्षय कुमार ने अपनी फिल्म 'अफलातून' से जुड़ा एक दिलचस्प और मजेदार किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया, ''फिल्म के 'अफलातून' गाने पर मैं जिस कार पर डांस कर रहा हूं, वह किराए पर नहीं ली गई थी।

तापसी पन्नू का फिटनेस चैलेंज

60 मिनट में किए 275 बर्पीज

200 सिट-अप्स और 150 पुश-अप्स

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू ने सोशल मीडिया पर अपने हाई-इंटेंसिटी वर्कआउट की झलक शेयर की और बताया कि एक घंटे के कठिन एक्सरसाइज सेशन के बाद उनकी क्या हालत हुई। तापसी पन्नू ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर वर्कआउट के बाद की तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उनके चेहरे पर थकान के साथ मेहनत की चमक भी दिखाई दे रही थी। तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, '60 मिनट में 275 बर्पीज, 200 सिट-अप्स, 150 पुश-अप्स और 150 एयर स्क्वॉट्स करने के बाद मेरी फीलिंग्स कुछ ऐसी हैं।' तापसी इससे पहले भी अपने वर्कआउट अपडेट्स फैंस के साथ शेयर करती रही हैं। 3 जून को उन्होंने अपनी एक तस्वीर पोस्ट की थी, जिसमें उनकी पीठ पर चोट के निशान दिखाई दे रहे थे। इसके साथ उन्होंने लिखा था, 'इस कहानी की सीख यह है कि खुरदुरी जमीन पर बैक और कोर की एक्सरसाइज एक साथ मत कीजिए।' वर्कफ्रंट की बात करें तो 38 वर्षीय तापसी ने अपने अभिनय करियर की शुरुआत साल 2010 में तेलुगु फिल्म झुम्मांडी नादम से की थी। हिंदी सिनेमा में उन्होंने 2013 में निर्देशक डेविड धवन की फिल्म चश्मे बद्दूर से डेब्यू किया था। तापसी हाल ही में निर्देशक अनुभव सिन्हा की फिल्म 'अस्सी' में नजर आई थीं। यह एक दमदार कोर्टरूम ड्रामा है, जो यौन उत्पीड़न के मामलों पर आधारित है। फिल्म में एक जांचकर्ता और बचाव पक्ष की टीम आंकड़ों के पीछे छिपे चौंकाने वाले सच और मानवीय दर्द को सामने लाने की कोशिश करती है। अब तापसी जल्द ही नेटफ्लिक्स की फिल्म 'गांधारी' में दिखाई देंगी। फिल्म की कहानी एक ऐसी मां के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने मिशन को पूरा करने के लिए हर चुनौती का सामना करती है। रहस्य और दमदार एक्शन से भरपूर इस फिल्म में तापसी एक मजबूत और जुझारू मां के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म में उनके साथ अभिनेता इश्वाक सिंह भी अहम भूमिका निभाएंगे। तापसी बेबी, पिंक, मुल्क, द गाजी अटैक, मनमर्जियां, बदला, मिशन मंगल, सांड की आंख, थप्पड़, हसीन दिलरुबा, फिर आई हसीन दिलरुबा, रश्मि रॉकेट, डंकी और लूप लपेटा जैसी कई चर्चित फिल्मों में अपनी अभिनय प्रतिभा का लोहा मनवा चुकी हैं। निजी जीवन की बात करें तो तापसी पन्नू ने पूर्व डेनिश बैडमिंटन खिलाड़ी और ओलंपिक पदक विजेता मैथियास बोए से शादी की थी।

भूमि पेडनेकर दो हफ्ते के लिए बनीं 'फॉर्म गर्ल'

नन्हें बकरियों के बच्चे, घर में बने भोजन और प्रकृति के बीच मिलीं खुशियां

मुंबई। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर हाल ही में अपने छोटे से अवकाश का भरपूर आनंद लेती नजर आईं, जहां उन्होंने प्रकृति की गोद में समय बिताया। इस दौरान वे नन्हे बकरियों के बच्चों और पूरी तरह जैविक (ऑर्गेनिक) माहौल के बीच सुकूनभरे पल बिताती दिखीं। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने हाल ही में अपने व्यस्त कार्यक्रम से कुछ समय निकालकर प्रकृति के बीच सुकूनभरे पल बिताए। उन्होंने दो सप्ताह एक फार्म पर गुजारे, जिसे उन्होंने अपना 'घर से दूर दूसरा घर' बताया। भूमि ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस ग्रामीण प्रवास की कई झलकियां साझा कीं और प्रशंसकों को प्रकृति, घर में उगाए गए ताजा भोजन और फार्म के जानवरों से घिरे अपने जीवन की एक झलक दिखाई। अपने प्रवास का एक वीडियो मोंटाज साझा करते हुए भूमि ने कैप्शन में लिखा: 'मैं और मेईईईईन...दो हफ्ते तक एक फार्म गर्ल बनकर रही और यह अनुभव बेहद खास रहा। यह मेरा घर से दूर दूसरा घर है, जहां मैं प्रकृति और अपनी पसंदीदा चीजों से घिरी रही।' पोस्ट की शुरुआत एक तस्वीर से होती है, जिसमें भूमि एक प्यारे सफेद बकरी के बच्चे को गोद में लिए हुए नजर आ रही हैं। काले रंग के एथलीजर परिधान में सजी अभिनेत्री मुस्कुराते हुए उसके साथ पोज देती दिखीं। एक अन्य वीडियो में भूमि हरे-भरे जंगल के रास्तों पर ट्रेकिंग करती दिखाई देती हैं। उन्होंने फार्म की रोज़मर्रा की गतिविधियों की भी झलक साझा की, जिनमें बगीचे से ताज़ी सब्जियां तोड़ना शामिल था। एक वीडियो में वह घर के बगीचे से पत्तेदार सब्जी तोड़कर खाना बनाने के लिए लेती हुई नजर आती हैं। अभिनेत्री ने 'फार्म-टू-टेबल' जीवनशैली की भी झलक दिखाई। तस्वीरों में ताजी सामग्री से तैयार पौष्टिक भोजन दिखाई दिए, जिनमें रंग-बिरंगी सब्जियों के व्यंजन, सूप, पैनकेक आदि शामिल थे। कार्य क्षेत्र की बात करें तो, बड़े पर्दे पर भूमि आखिरी बार फिल्म 'मेरे हसबैंड की बीवी' में नजर आई थीं, जिसमें अर्जुन कपूर और रकुल प्रीत सिंह भी मुख्य भूमिकाओं में थे। ओटीटी प्लेटफॉर्म पर वह वेब सीरीज़ 'दलदल' में दिखाई दी थीं। भूमि की हालिया सोशल मीडिया पोस्ट्स से यह भी स्पष्ट होता है कि वह इन दिनों आध्यात्मिकता और प्रकृति को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने अपनी आत्मिक यात्रा के बारे में भी बात की थी, जब उन्होंने तिब्बत के आध्यात्मिक और सांसारिक नेता, 14वें दलाई लामा से मुलाकात की। कुछ सप्ताह पहले भूमि ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर धर्मशाला यात्रा की तस्वीरें साझा की थीं, जहाँ उन्होंने दलाई लामा से मुलाकात की। उन्होंने एक भावुक नोट भी लिखा: 'परम पूज्य दलाई लामा की उपस्थिति में सब कुछ हल्का, शांत और अवास्तविक-सा महसूस हो रहा था। वहां से निकलते ही मुझे एहसास हुआ कि मेरी आंखों से आँसू बह रहे थे।' उन्होंने आगे लिखा: 'यह एक ऐसा एहसास है जिसे मैं पूरी तरह शब्दों में नहीं बयां कर सकती, केवल गहराई से महसूस कर सकती हूँ। मैं एक आंतरिक यात्रा पर हूं और ऐसे जादुई पल मेरे दिल को उस जीवन के लिए कृतज्ञता से भर देते हैं जो हमें मिला है। इतनी शांति, गरिमा और करुणा के क्षण का अनुभव करना मेरे लिए

लावणी सिर्फ डांस नहीं

पीढ़ियों की संस्कृति और कहानियों की विरासत है : वैभवी मर्चेंट

मुंबई। कोरियोग्राफर वैभवी मर्चेंट बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री श्रद्धा कपूर की आने वाली फिल्म 'ईठा' के जरिए एक बार फिर पर्दे पर वापसी करने वाली है। यह फिल्म एक बायोग्राफिकल ड्रामा है, जिसमें श्रद्धा तमाशा कलाकार, लावणी डांसर और लोक गायिका विठाबाई नारायणगांवकर की भूमिका निभा रही हैं। वैभवी मर्चेंट ने फिल्म में लावणी डांस सीक्वेंस को तैयार किया है और इसका अनुभव आईएएनएस संग साझा किया। आईएएनएस से बात करते हुए वैभवी मर्चेंट ने कहा, ''फिल्म 'ईठा' में लावणी को दिखाना मेरे लिए भावनात्मक और सांस्कृतिक जिम्मेदारी थी। यह एक विरासत को सम्मान देने की कोशिश है। लावणी भारत की लोक नृत्य परंपराओं में से एक है, जिसमें सिर्फ नृत्य नहीं बल्कि पीढ़ियों की कहानियां, संघर्ष, ताकत और कला की गहराई छिपी हुई है। इस कला को समझना और उसे स्क्रीन पर सही रूप में प्रस्तुत करना बेहद जरूरी था।'' उन्होंने कहा, 'जब मैंने इस फिल्म के लिए काम शुरू किया, तो मेरा पूरा ध्यान इस बात पर था कि लावणी की असली आत्मा को कैसे बरकरार रखा जाए। मेरे लिए यह प्रोजेक्ट एक मौका था, जहां मैं एक ऐसी परंपरा को दुनिया के सामने पेश कर सकती थी, जिसे अक्सर सीमित रूप में देखा जाता है। मेरा मानना है कि लोक कला को सही सम्मान और मंच मिलना चाहिए, ताकि नई पीढ़ी उससे जुड़ सके।' वैभवी मर्चेंट ने आगे कहा, ''आज के समय में जब दर्शक तेजी से बदल रहे हैं, तब जरूरी है कि पारंपरिक कलाओं को इस तरह प्रस्तुत किया जाए कि वह आधुनिक दर्शकों के लिए भी आकर्षक और समझने योग्य बन सके। इसी सोच के साथ मैंने फिल्म के डांस सीक्वेंस को डिजाइन किया है। अगर इस फिल्म को देखने के बाद कुछ लोग भी लावणी के बारे में जानने, समझने और उसे अपनाने की कोशिश करें, तो यह मेरे लिए सबसे बड़ी सफलता होगी।'' बता दें कि फिल्म 'ईठा' का निर्देशन लक्ष्मण उतेकर ने किया है। इसमें श्रद्धा कपूर, रणदीप हुड्डा और अनंत जोशी मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे।

'मिर्जापुर: द मूवी' के कैरेक्टर पोस्टर्स जारी, गद्दी की जंग का बढ़ा रोमांच

मुंबई। बहुप्रतीक्षित फिल्म 'मिर्जापुर: द मूवी' के निर्माताओं ने बुधवार को इसके चर्चित किरदारों मुन्ना भैया, गुड्डू भैया और कालीन भैया के कैरेक्टर पोस्टर्स जारी किए। पोस्टर्स के सामने आते ही प्रशंसकों के बीच फिल्म को लेकर उत्साह और बढ़ गया है। 'गद्दी है तो हम हैं' संदेश के साथ जारी किए गए ये पोस्टर्स मिर्जापुर की सत्ता, विरासत और दुश्मनी की उस दुनिया की झलक दिखाते हैं, जिसने दर्शकों को लंबे समय से बांधे रखा है। निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर पंकज त्रिपाठी द्वारा निभाए गए कालीन भैया का फर्स्ट लुक पोस्टर साझा करते हुए लिखा, 'जो आया है, वो जाएगा भी, बस मर्जी कालीन भैया की होगी। आपका स्वागत करते हैं बड़े पर्दे पर।
मिर्जापुर, द मूवी का टीजर कल दोपहर 12 बजे रिलीज होगा।' वहीं अली फज़ल के किरदार गुड्डू भैया का पोस्टर शेयर करते हुए

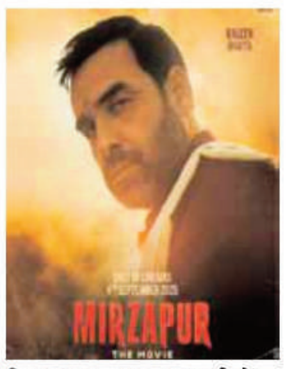

लिखा गया, 'शुरू मजबूरी में किए थे, अब मजा आ रहा है। गुड्डू भैया बड़े पर्दे पर आ रहे हैं, तैयार हैं ना?' इसके अलावा दिव्येंदु के लोकप्रिय किरदार मुन्ना भैया का पोस्टर भी जारी किया गया। पोस्टर के साथ लिखा गया, 'हिंदी फिलम के हीरो हैं हम, कहा था ना, हम अमर हैं। मुन्ना भैया का भौकाल अब बड़े पर्दे पर।'
फिल्म अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनाई जा रही है। इसका निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है, जबकि कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है। फिल्म का निर्माण रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने किया है। इसके सह-निर्माता कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी हैं। 'मिर्जापुर: द मूवी' हिंदी और तेलुगु भाषा में रिलीज होगी। यह फिल्म 4 सितंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में दस्तक देगी। वहीं इसका टीजर 25 जून को दोपहर 12 बजे जारी किया जाएगा।